RNI-MPHIN/2018/75526
वर्ष-08 |अंक-272| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-
दैनिक
कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, बुधवार
8
जुलाई 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.com
आषढ़ कृष्ण पक्ष-8, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडोनेशिया को याद दिलाए रामायण काल के रिश्ते

भारत की नीति विस्तारवाद नहीं, विकासवाद

नई दिल्ली। पीएम मोदी इंडोनेशिया के दौरे पर हैं। आज इंडोनेशिया की सरकार ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। इसके बाद पीएम मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित किया और दोनों देशों की साझा संस्कृति और विरासत पर बात की। साथ ही भविष्य में दोनों देशों के सहयोग की संभावनाओं पर भी अपने विचार रखे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, आज सुबह मुझे इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान पाने का भी सम्मान पाने का मौका मिला। मैं इसके लिए कोटि-कोटि भारतीयों की तरफ से इंडोनेशिया को शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया में उनका जिस तरह से स्वागत किया, उसे वे कभी भूल नहीं सकते। यह दोनों देशों की लोकतांत्रिक विरासत, साझा संस्कृति और दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों का प्रतीक है।

रामायण और महाभारत से जुड़े हैं भारत-इंडोनेशिया

भारत और इंडोनेशिया सिर्फ समुद्र से ही नहीं, बल्कि साझा इतिहास से भी जुड़े हैं। हमारे रिश्तों की जड़ें रामायण और महाभारत की विरासत में हैं। बोरोबुदुर और प्रांबानन जैसे भव्य स्मारक हमें जोड़ते हैं। इंडोनेशिया का राष्ट्रीय प्रतीक गरुड़ भी हमारे सांस्कृतिक संबंधों की पहचान है। बाली जात्रा जैसे उत्सव हमारी साझा परंपराओं को दर्शाते हैं। स्वाद की बात करें तो यह कहना मुश्किल है कि क्रूपुक ज्यादा कुरकुरा है या पापड़। सदियों पहले गुजरात से व्यापारी और सूफी संत समुद्र के रास्ते इंडोनेशिया आए थे। वे अपने साथ इस्लाम के विचार और इस्लामी जीवन मूल्यों को भी लेकर आए थे।

इंडोनेशिया नाम में भी भारत की छाप

इसी रिसर्च में कहा गया है कि हिंदू और बौद्ध धर्म भारत से ही इंडोनेशिया में फैले। इन्हीं के जरिए भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा रही संस्कृत और ब्राह्मी लिपियों ने भी इंडोनेशिया में जगह बनाई। इस देश में भारत का प्रभाव कितना ज्यादा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विदेशी यात्रियों ने इंडोनेशिया का नाम भारत के जरिए ही पहचाना गया। इंडोनेशिया नाम लातिन शब्द इंडस (यानी भारत) और ग्रीक शब्द नेसोस (यानी द्वीप) को मिला कर बना। 18वीं सदी से इंडोनेशिया का नाम पूरी दुनिया में चलन में रहा है।

इंडोनेशिया के मंदिरों, कलाओं और नाट्यों में भारतीय संस्कृति की झलक

पुरातनकाल के भारतीय संस्कृत और ब्राह्मी अभिलेखों को इंडोनेशिया ले गए। इसी के जरिए रामायाण और महाभारत जैसे ग्रंथों को इंडोनेशिया में प्रचार मिला। आज भी इंडोनेशिया के जावा में नाटकों में कई ओपन थिएटर बने हैं, जहां इंडोनेशिया के मुस्लिम समुदाय के लोग पूर्णिमा पर रामायण से जुड़े नृत्य में हिस्सा लेते हैं। इसके अलावा इंडोनेशिया में कई मंदिर भी हैं, जिनकी कलाकृतियों में भारतीय संस्कृति की झलक साफ दिखती है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था ने तेजी से विकास किया है। भारत भी आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

यूपी गवर्नर बोलीं-

लड़कियां पढ़ाई के दौरान प्रेग्नेंट हो जाती हैं

जिम्मेदारी सरकार पर आती है, प्रेम कीजिए लेकिन शादी आत्मनिर्भर होने के बाद

लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को कहा- पढ़ाई के दौरान लड़कियां प्रेग्नेंट हो जाती हैं। कइयों को बच्चा भी हो जाता है। उस बच्चे की जिम्मेदारी जानते हैं किस पर जाती है? सरकार पर जाती है। ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए। दूर रहिए इन पराक्रमों से। राज्यपाल लखनऊ स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति के तौर पर बोल रही थीं।

सरकार का पैसा केवल पूरा खर्च करने के लिए नहीं

राज्यपाल ने कहा- 3 यूनिवर्सिटी में विजिट किया, जहां एडमिन कॉरिडोर था। एक कॉर्नर पर एडमिन ब्लॉक में 2 मंजिल में लाइब्रेरी बनी है। लाइब्रेरी में बच्चे 1 किमी दूर से पढ़ने जाते हैं, 2 किमी दूर हॉस्टल है। उनमें पढ़ेगा कौन? क्या राज्य सरकार ने जो बजट दिया, उसका उपयोग ही करना है। एक एक्टिविटी रूम चाहिए तो बड़े-बड़े 3 हॉल क्यों बना दिए? ऐसी दशा है आपके निर्माण विभाग की? कभी-कभी ऐसा लगता है कि फर्जी डिग्री पाकर निर्माण विभाग में तो नहीं भर्ती हो गए। राज्यपाल ने कहा- मैंने अपने की टीम को सभी यूनिवर्सिटी के भवनों के निरीक्षण का काम सौंपा है। एडमिन बिल्डिंग के वाशरूम में स्वच्छता करने की जरूरत है।

वायनाड में लैंडस्लाइड, 2 की मौत

टैंकर-गाड़ियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी, कई मलबे में दबे

वायनाड। केरल के वायनाड वाले हिस्से में हुए भयानक भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। वहीं, कई एजेंसियों का एक बड़ा बचाव अभियान अब भी जारी है। मलबे के नीचे दबे चार लापता लोगों की तलाश की जा रही है। इसी बीच भूस्खलन का दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। सामने आए भूस्खलन के वीडियो में एक टैंकर, बस और कुछ लोग तेजी से बह रहे मलबे और पानी की चपेट में आ गए। वीडियो में दिख रहा है कि भूस्खलन के बाद तेजी से बहकर आए मलबे के चलते टैंकर और बस कई सौ मीटर पीछे फिसलकर आ गए। जिससे उसकी चपेट में कई लोग आ गई। कुछ लोग तो भूस्खलन की चपेट में आने से बच गए, लेकिन कई लोग उस मलबे में दबे होने की आशंका है।

भोपाल में 13 जुलाई को आयोजित होगी एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर क्षेत्र में निवेश पर होगा मंथन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में तकनीकी विकास के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 13 जुलाई 2026 को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 = जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर एडिशन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य सरकार के प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास के विजन को साझा करेंगे और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर निवेश, परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं भावी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। एमपी टेक ग्रोथ संबंधी पहली 2 कॉन्क्लेव ने प्रदेश में प्रौद्योगिकी निवेश को नई गति प्रदान की है। कॉन्क्लेव 1.0 में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 75 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए। कॉन्क्लेव 2.0 में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 48 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए।

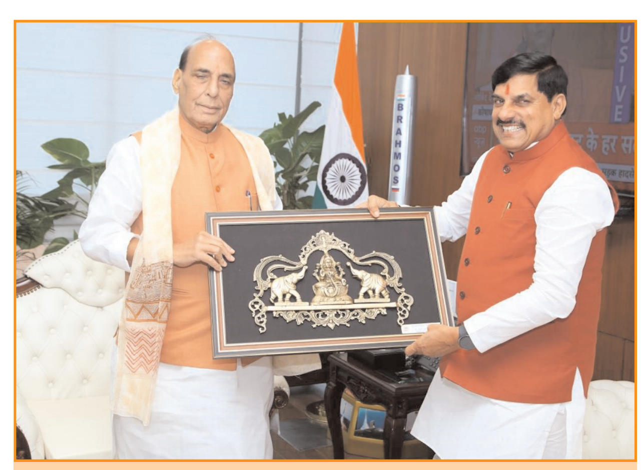

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पीथमपुर में लियूगोंग इंडिया के मेन्युफेक्चरिंग यूनिट का 8 जुलाई को करेंगे भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 8 जुलाई को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लियुगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र का भूमि-पूजन करेंगे। चीन की अग्रणी बहुराष्ट्रीय निर्माण उपकरण निर्माता कंपनी गुआंग्शी लियुगोंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड की भारतीय इकाई द्वारा किया जा रहा यह विस्तार मध्यप्रदेश को निर्माण उपकरण विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।पीथमपुर में स्थापित होने वाला नया संयंत्र लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा।

अयोध्या राम मंदिर चोरी: चढ़ावा चोरी मामले में चंपत ने तोड़ी चुप्पी, कहा

एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट के बाद दूंगा हर आरोप का जवाब

अयोध्या। राम मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। ट्रस्ट की बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को उन्होंने रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी कर अपनी बात रखी। अपने पत्र में चंपत राय ने कहा कि 7 जून 2026 को राम मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के दौरान हुई चोरी की घटना के बाद तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं और उन पर व्यक्तिगत रूप से अनेक निराधार आरोप लगाए गए हैं। इसी कारण उन्होंने अब तक मौन

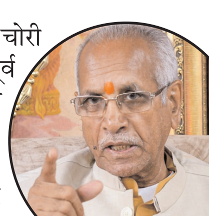

धारण किया था। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक हो चुकी है। हालांकि यह रिपोर्ट परम गोपनीय थी। उन्होंने रामभक्तों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोपों और उठाए गए हर बिंदु पर क्रमवार जवाब देंगे। उनका दावा है कि अंतिम रिपोर्ट के बाद पूरा सच सामने आ जाएगा। पत्र में चंपत राय ने अपने सार्वजनिक जीवन का भी उल्लेख किया। उन्होंने लिखा कि अक्टूबर 1991 में उन्हें संगठन द्वारा अयोध्या भेजा गया था.

एसआईटी की रिपोर्ट में यह बातें हुई साफ , 70 बार चोरी कैमरे में कैद

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भेंट/चढ़ावा गणना कक्ष में हुई चोरी के मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पहली बार सार्वजनिक हुई है। यह रिपोर्ट श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में प्रस्तुत की गई। एसआईटी ने प्रथम दृष्टया माना है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भेंट/चढ़ावा की गणना प्रक्रिया के दौरान चोरी और गबन की घटनाएं हुईं। 27 अप्रैल से पहले भी चोरी और गबन होता रहा. लेकिन उस अवधि का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न होने के कारण वास्तविक नुकसान का आकलन संभव नहीं हो सका।

पेट्रोल में 25 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का प्लान टल सकता है

अभी 20 प्रतिशत मिलाया जा रहा; इससे माइलेज घटने का दावा, पार्ट्स खराब होने की शिकायत

नई दिल्ली। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने के विरोध के बीच इसकी मात्रा बढ़ाकर

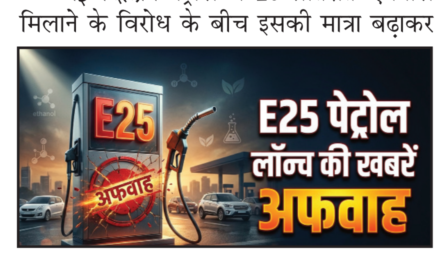

25प्रतिशत करने की योजना को सरकार फिलहाल आगे बढ़ा सकती है। सरकार इस ट्रांजिशन को जल्दबाजी में करने के बजाय धीरे-धीरे और व्यवस्थित तरीके से लागू करना चाहती है। सरकार ने शुरुआत में साल 2030 तक पेट्रोल में 20प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का प्लान बनाया था। लेकिन इस टारगेट से बहुत पहले ही ई-20 फ्यूल (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल) को पूरे देश में स्टैंडर्ड पेट्रोल के रूप में लागू कर दिया गया है और अब हर जगह यही पेट्रोल मिल रहा है। उधर ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया यानीएआरएआई की एक स्टडी में सामने आया है कि पुरानी ई-20 कंप्लायंट गाड़ियों में ई-20 ईंधन का इस्तेमाल करने से फ्यूल सिस्टम के रबर पार्ट्स खराब हो सकते हैं। हालांकि इस रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

सिया ने वारदात से पहले नेट से राजा हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब नई जानकारी सामने आई है। हत्या की मुख्य आरोपी सिया गोयल के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से यह जानकारी मिली है कि उसने केतन हत्याकांड की वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। फिलहाल दोनों 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

पुलिस को मोबाइल हिस्ट्री से मिली जानकारी

गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। वहीं सिया गोयल के पिता ने अश्लील इशारे के दावों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि वायरल वीडियो का गलत मतलब निकाला गया। यह विवाद एक वायरल वीडियो से शुरू हुआ, जिसमें पुलिस की हिरासत में ले जाते समय सिया आपत्तिजनक इशारा करती हुई दिखाई दी। उनके मुताबिक पुलिस जब सिया को घर ला रही थी, तब कार का दरवाजा बंद होने से

एनालिसिस — दिल्ली सहित पांच राज्य वर्ल्ड बैंक की अपर-मिडल-इनकम कैटेगरी में पहुंचे, बिहार सबसे गरीब राज्य

भारत अभी भी बना हुआ है लोअर-मिडिल इनकम देश

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत अभी भी वर्ल्ड बैंक की नजर में लोअर-मिडिल इनकम वाला देश है, लेकिन देश के कुछ राज्यों की आर्थिक तस्वीर इससे कहीं बेहतर है। एक एनालिसिस के मुताबिक, भारत के 5 राज्य प्रति व्यक्ति आय के आधार पर वर्ल्ड बैंक की अपर-मिडिल इनकम की लिमिट तक पहुंच चुके हैं।

दूसरी ओर, वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में श्रीलंका, वियतनाम और फिलीपींस को उनकी आय में लगातार सुधार के चलते हाई इनकम ग्रुप में अपग्रेड किया है, जबकि भारत की पर कैपिटा इनकम अभी भी 2,760 डॉलर के साथ लोअर-मिडिल इनकम कैटेगरी में बनी हुई है। हालांकि, राज्यों के स्तर पर तस्वीर काफी अलग दिखाई देती है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की प्रति व्यक्ति आय फिलहाल 2,760 डॉलर है। यह

लोअर-मिडिल इनकम देशों के औसत 2,488 डॉलर से थोड़ा ही ज्यादा है। वहीं, अपर-मिडिल इनकम कैटेगरी में शामिल होने के लिए प्रति व्यक्ति आय 4,636 डॉलर होनी चाहिए। यानी भारत अभी भी इस स्तर से काफी नीचे है। भारत के 5 राज्य ऐसे हैं, जिनकी प्रति व्यक्ति आय वर्ल्ड बैंक की ओर से तय अपर-मिडिल इनकम की लिमिट से ऊपर पहुंच चुकी है। इनमें दिल्ली सबसे आगे है, जहां प्रति व्यक्ति आय 6,217 डॉलर है। इसके बाद कर्नाटक (5,579 डॉलर), तेलंगाना (5,407 डॉलर), तमिलनाडु (5,329 डॉलर) और गुजरात (4,734 डॉलर) का स्थान है। इन सभी राज्यों की प्रति व्यक्ति आय 4,636 डॉलर की लिमिट से ज्यादा है।

महाराष्ट्र, हरियाणा व केरल मामूली अंतर से पीछे

तीन बड़े राज्य इस लिस्ट में शामिल होने से बहुत कम अंतर से चूक गए। महाराष्ट्र की प्रति व्यक्ति आय 4,628 डॉलर रही, जो तय लिमिट से सिर्फ 8 डॉलर कम है। हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय 4,627 डॉलर रही, यानी वह केवल 9 डॉलर से पीछे रह गया। वहीं केरल की प्रति व्यक्ति आय 4,610 डॉलर रही, जो इस लिमिट से 26 डॉलर कम है। यानी ये तीनों राज्य भी अपर-मिडिल इनकम कैटेगरी के काफी करीब पहुंच चुके हैं।

यूपी और झारखंड भी काफी पीछे

रिपोर्ट के अनुसार, बिहार अभी भी देश का सबसे गरीब बड़ा राज्य बना हुआ है। यहां प्रति व्यक्ति आय केवल 984 डॉलर है। इसके बाद उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,403 डॉलर और झारखंड की 1,470 डॉलर है। एनालिसिस में कहा गया है कि इन तीनों राज्यों की प्रति व्यक्ति आय नेपाल और अफ्रीका के कई देशों से भी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 30 सालों में मीडियम इनकम वाले राज्यों ने सबसे तेज आर्थिक ग्रोथ दर्ज किया। इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय 1994-95 की तुलना में 36.7 गुना बढ़ी। वहीं सबसे समृद्ध राज्यों में यह ग्रोथ 28.3 गुना और सबसे गरीब राज्यों में 26.6 गुना रही। इस दौरान कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु ने सबसे तेज प्रगति की।

संक्षिप्त समाचार

मनाई गई कबीर जयंती

सतना। कबीर विचार मंच द्वारा रविवार को गुरू मूरत कबीर आश्रम कटनी व रामलाल महेवा के मुख्य आतिथ्य में कबीर आश्रम सोहावल में कबीर जयंती हर्षोल्लाष पूर्वक मनाई गई। इस मौके पर विशेष अतिथि के तौर पर पूर्व जनपद सदस्य बृजेश प्रताप बिज्जू सिंह एवं गरीब सेना के मित्र आशुतोष मिश्रा, संजय बुनकर, एवं नगर पालिक निगम के पूर्व पार्षद महिंद वर्धन सिद्वार्थ पप्पू कायक्रम में मौजूद थे।

खिलाड़ियों का प्रतिभा चयन

सतना। म.प्र. राज्य खेल अकादमियों के खिलाडियों हेतु प्रतिभा चयन वर्ष 2026-27 कार्यक्रम के तहत ताईक्कांडो खेल अकादमी में प्रवेश हेतु 7 जुलाई 2026 को सतना एवं मैहर जिले के ताईक्कांडो एवं फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए प्रतिभा चयन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ताईक्कांडो चयन सतना के लिए मार्शल आर्ट एकेडमी सिविल लाइन में प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक होगा। इसी प्रकार भारत सरकार की खेलो इंडिया स्माल सेंटर योजनांतर्गत फुटबाल खिलाड़ियों के प्रवेश हेतु चयन कार्यक्रम मैहर फुटबॉल ग्राउंड में प्रात: 7 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाएगा।

संजीवनी क्लीनिकों में 18 तक लगेंगे शिविर

सतना। जिले में पात्र हितग्राहियों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण एवं आधार कार्ड में त्रुटि सुधार के लिए विशेष शिविरों का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ सोमवार को शहरी क्षेत्र के मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, वार्ड क्रमांक-35, कमता टोला, नजीराबाद मुक्तिधाम के सामने में आयोजित शिविर से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित हुए, जहां उनके आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए तथा आधार कार्ड में नाम, जन्मतिथि, पता, मोबाइल नंबर और बायोमेट्रिक सहित अन्य आवश्यक त्रुटियों का सुधार भी किया गया। यह विशेष अभियान 6 जुलाई से 18 अगस्त तक जिले के विभिन्न मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों (आयुष्मान आरोग्य मंदिरों) में चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जाएगा।

[सीएम हेल्पलाइन] टीएल बैठक में कलेक्टर ने जताई नाराजगी, स्थिति में सुधार लाने के निर्देश

राजस्व विभाग की 1700 शिकायतें लंबित, डी ग्रेड में जिले की सभी तहसीलें

नगर संवाददाता, सतना।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की मासिक ग्रेडिंग में अभी दो सप्ताह का समय है। सभी विभागीय अधिकारी इस अवधि में 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों को फोकस कर निराकरण की स्थिति में सुधार लाये। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह गुरूवार को 15वीं रैंक से ऊपर रहने वाले विभागों की समीक्षा की जायेगी। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने राजस्व विभाग की तहसीलवार शिकायतों की समीक्षा की। राजस्व की कुल 1700 शिकायतों में सबसे ज्यादा 482 रामपुर बघेलान और 268 नागौद तहसील में पाई गई। सभी तहसीले डी श्रेणी में रही। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विकास परियोजनाओं और विभागों के समन्वय के मुद्दों पर भी चर्चा की। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, सुभाष मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास परियोजना पर फोकस

विकास परियोजनाओं की समीक्षा और समन्वय के मुद्दों पर कलेक्टर ने रेल्वे, जल निगम, नर्मदा घाटी विकास, बरगी नहर, राष्ट्रीय राजमार्ग, पावर ग्रिड, पीआईयू, पीएचई, एनएच पीडब्ल्यूडी, हाउसिंग बोर्ड, नगरीय प्रशासन, पीडब्ल्यूडी ब्रिज से संबंधित कार्यो की प्रगति एवं भूमि आवंटन के संबंध में चर्चा की।

इन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश

कलेक्टर ने टीएल बैठक में वर्चुअली नहीं जुडने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये। सतना बाणसागर मल्टी विलेज स्कीम में जल निगम द्वारा अप्रारंभ टंकी निर्माण की जानकारी नहीं दे पाने पर कलेक्टर ने नाराजगी प्रकट करते हुए महाप्रबंधक पंकज तंतुवाय को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार जसो नागौद बायपास पर तिलगवां के 11 किसानों को भू अर्जन का भुगतान नहीं किये जाने पर एनएच पीडब्ल्यूडी के सब इंजीनियर मृत्युजंय सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

अभियान स्वरूप करें ग्रामों के नक्शे बनाने का कार्य

नक्शा विहीन ग्रामों की नक्शा तैयार करने की कार्यवाही की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि शेष ग्रामों के नक्शे बनाने का कार्य अभियान स्वरूप करें। इनमें सबसे अधिक गांव नागौद और उचेहरा तहसील के शामिल है। नक्शा तैयार करने के कार्य में एसडीएम उचेहरा सुमेश द्विवेदी को नोडल अधिकारी बनाये। कलेक्टर ने कहा कि जिला विकास पुस्तिका की सभी तैयारी एक-दो दिन में पूरी कर ले। उन्होंने कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण और पदोन्नति कार्य की जानकारी ली। सभी विभागों ने बताया कि पदोन्नति संबंधी कार्यवाही जिला स्तर से नहीं होकर मुख्यालय स्तर से की जा रही है।

श्री वैश्य परिषद ने किया नवनियुक्त चेंबर पदाधिकारियों का सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

श्रीवैश्य परिषद द्वारा भरहुत नगर स्थित कश्यप मैरिज हॉल में विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में व्यापारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह मठें व्यापारियों की एकजुटता, व्यापारिक समस्याओं के समाधान तथा शहर के विकास में चैंबर की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने अपने संबोधन में कहा कि 'व्यापारी की कोई जाति नहीं होती, उसका एक ही धर्म है—व्यापार और व्यापारी हित।' उन्होंने कहा कि 62 वर्ष पुरानी इस प्रतिष्ठित संस्था के 17 वें अध्यक्ष के रूप में उन्हें व्यापारियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि जब व्यापारी का वैध कार्य शुल्क जमा करने के बाद भी नहीं होता, तब उसे संस्था की आवश्यकता महसूस होती है। चैंबर सदैव ऐसे मामलों में व्यापारियों की आवाज बनकर प्रशासन के समक्ष मजबूती से खड़ा रहेगा। श्री वैश्य परिषद के अध्यक्ष कमलेश गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस बार विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी अत्यंत संतुलित, अनुभवी एवं ऊर्जावान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम व्यापारियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ शहर के विकास में भी ठुमहत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। समारोह के दौरान विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, महामंत्री मनोज कटारे, उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, सहमंत्री हिमांशु अरोरा तथा कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल का श्री वैश्य परिषद द्वारा पुष्पहार एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से मिले पवन मलिक

सामाजिक संगठनों को जीएसटी से राहत का मांग पत्र सौंपा

नगर संवाददाता, सतना।

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 सी (मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़) के फर्स्ट वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन पवन मलिक ने मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को अभ्यावेदन सौंपकर सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के सदस्यता शुल्क पर लागू जीएसटी में राहत प्रदान किए जाने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि समाज के जागरूक नागरिक स्वैच्छिक रूप से संगठित होकर समाज सेवा, व्यापारिक हितों की रक्षा तथा राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संस्थाओं का गठन करते हैं। वर्तमान में इन संस्थाओं के सदस्यता शुल्क पर 18 प्रतिशत जीएसटी, जो कि अधिकतम है, लागू होने से सेवा एवं जनहित के कार्यों से जुड़े सदस्यों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), चेंबर ऑफ कॉमर्स जैसी व्यापारिक संस्थाएं तथा लायंस क्लब और रोटरी क्लब जैसी समाजसेवी संस्थाएं लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सेवा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्य करती हैं। ऐसे में इन संस्थाओं के सदस्यता शुल्क पर जीएसटी में छूट अथवा उचित राहत प्रदान किए जाने से समाजसेवा एवं जनहित के कार्यों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इस अवसर पर लायंस क्लब के राजेन्द्र तिवारी, बसंत मिश्रा, सज्जी जॉन, वीरेंद्र आर्या, अतुल जैन, मनोज्ञा सिंह, वीरेन्द्र वर्मा, सूर्य प्रकाश अग्निहोत्री, जसविंदर सिंह भाटिया (बब्बल), राजेश गुप्ता, गुलशन चड्ढा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नगर निगम की कार्य प्रणाली से चेम्बर खफा, घेराव करके सौंपेगा ज्ञापन

सहयोगी संस्थाओं के साथ पदाधिकारियों ने की बैठक

नगर संवाददाता, सतना।

विन्ध्य चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज सतना की नवगठित कार्यकारिणी समिति एवं सहयोगी संस्थाओ की आवश्यक बैठक सोमवार सायं 4 बजे चेम्बर सभागार सतना मे चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। बैठक मे चेम्बर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी, 37 सहयोगी संस्थाओ के अध्यक्ष मंत्री और प्रतिनिधि मण्डल की उपस्थिति मे नगर निगम की कार्यप्रणाली के विरोध मे प्रभावी आंदोलन की रणनीति पर वृहद चर्चा की गई। नगर निगम के नकारात्मक रवैये से नाराज व्यापारी प्रतिनिधिओं ने बैठक मे रोडों की दुर्दशा, बजबजाती नालिया, बरसाती पानी का भराव, नलो पर गंदे पानी की सप्लाई, अव्यवस्थित यातायात, ठेलों का आतंक और अतिक्रमण एवं बिजली विभाग की नाकामियो पर अपनी बात बहुत प्रभावी ढंग से रखी। ज्ञात हो कि 3 जुलाई को चेम्बर को चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा के नेतृत्व मे चेम्बर का प्रतिनिधि मण्डल कमिश्नर नगर निगम से मिला था और उनसे शहर की समस्याओं के निराकरण के संबंध मे चर्चा की थी परंतु कमिश्नर नगर निगम के नकारात्मक रवैये ने व्यापारियो का आक्रोषित कर दिया।

14 को ननि का होगा घेराव- बैठक मे उपस्थित सभी ने एक स्वर मे यह तय किया कि अब ज्ञापन और मौन जुलूस से काम नही चलेगा अब हमे अपनी लड़ाई मजबूती से लड़नी होगी। सभी सहयोगी संस्थाओ, और सामाजिक संस्थाओ ने यह तय किया कि वे अपनी संस्थाओ के माध्यम से ज्ञापन तैयार कर चेम्बर कार्यालय मे 14 तारीख की सुबह 11:30 बजे और एक जुट होकर बड़ी संख्या मे चेम्बर सतीश सुखेजा के नेतृत्व मे नगर निगम का घेराव करेगे और शासन को संदेश देगे कि अब नगर निगम की उदासीनता और नही बर्दाश्त की जायेगी।

इनकी रही उपस्थिति- इस अवसर पर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, महामंत्री मनोज कटारे, मंत्री मनोज अरोरा, सहमंत्री हिमांशु अरोरा, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष लखन अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहन ठक्कर, सुधीर अग्रवाल, आलोक नायक, विनोद गेलानी, मोहित अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, पियूष अग्रवाल ''अंकित'', कमलेश्वर प्रसाद अग्रवाल ''मुन्ना''अमर लालवानी, सुरेश आहूजा, सेवकराम आवतवनी, श्रीलाल बहादुर शास्त्री , योगेन्द्र अगवाल महामंत्री ओमप्रकाश केशरवानी, विनोद तिवारी, अध्यक्ष कमल कुमार मंघनानी, कददूस अंसारी, मंत्री मनीष सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उत्कर्ष द्विवेदी ने आईआईटी खड़गपुर से हासिल की वाटर मैनेजमेंट की डिग्री

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के रामपुर बाघेलान क्षेत्र अंतर्गत शिवुपरवा गांव निवासी उत्कर्ष द्विवेदी ने देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान से वाटर मैनेजमेंट में डिग्री हासिल कर जिले और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उत्कर्ष की इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उत्कर्ष द्विवेदी इससे पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में भी चयनित हो चुके हैं। उनकी शैक्षणिक उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उत्कर्ष के पिता शंभूशरण द्विवेदी एवं माता मिथलेश द्विवेदी ने बेटे की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए इसे निरंतर मेहनत और लगन का परिणाम बताया। उत्कर्ष, सतना के वरिष्ठ पत्रकार गुणदीप चतुर्वेदी के भतीजे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और परिजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

विश्व जूनोसिस दिवसः 58 डॉग्स, 1 कैट व 1 बाज का किया गया निःशुल्क रेबीज टीकाकरण

नगर संवाददाता, सतना।

विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर पीएफए सतना द्वारा रेबीज टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत एक विशेष टीकाकरण शिविर पावर हाऊस ग्राऊंड में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 58 डॉग्स, 1 कैट तथा 1 बाज (हॉक) का निःशुल्क रेबीज टीकाकरण किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले शिविर में वरिष्ठ सर्जन डॉ. बृहस्पति भारती ने सेवाएं दी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों (जूनोटिक रोगों) के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा रेबीज जैसी घातक बीमारी की रोकथाम के लिए समय पर टीकाकरण के महत्व को समझाना था। मध्यप्रदेश देश के सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले राज्यों में से एक है। समृद्ध वन्यजीव जैव विविधता के कारण यहां जूनोटिक रोगों के फैलने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक रहती है। ऐसे में नियमित टीकाकरण, जनजागरूकता और पशुओं की उचित देखभाल ही इन बीमारियों की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है।

पीएफए सतना ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने पालतू पशुओं का समय-समय पर रेबीज टीकाकरण अवश्य कराएं तथा घायल या आवारा पशुओं के संपर्क में आने पर आवश्यक सावधानी बरतें। संस्था भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं पशु कल्याण से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

100 स्ट्रीट डॉग्स का एंटी-रेबीज टीकाकरण- वर्ल्ड जूनोसिस डे के अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग सतना द्वारा कल्पतरु एनजीओ के सहयोग से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत लगभग 100 स्ट्रीट डॉग्स का एंटी-रेबीज टीकाकरण किया गया। उप संचालक पशुपालन डॉ. ए.पी. सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य पशुओं से फैलने वाली बीमारियों, विशेषकर रेबीज, की रोकथाम करना तथा आमजन को सुरक्षित रखना है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने पालतू पशुओं का समय-समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं।

मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ जुलाई माह का शुभारंभ

नगर संवाददाता, सतना।

बिरला रोड स्थित बोनांजा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में जुलाई माह के प्रथम दिवस का शुभारंभ माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। विद्यालय की प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव ने माँ सरस्वती का पूजन कर विद्यालय परिवार के उज्ज्वल भविष्य एवं नए माह के सफल संचालन की कामना की। पूजा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आलोक नारायण तिवारी जी द्वारा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप अरोरा एवं चेयरपर्सन गौरव अरोरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ज्ञान, अनुशासन और संस्कार के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से प्रार्थना में सहभागिता करते हुए शिक्षा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा तथा सभी ने श्रद्धा, भक्ति और सकारात्मक वातावरण के बीच माँ सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त कर जुलाई माह का स्वागत किया।

[उपलब्धि] पसंदीदा कार्य स्थल 2026-27 का मिला सम्मान

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को उत्कृष्ट कार्य संस्कृति एवं कर्मचारी-केंद्रित संगठनात्मक मूल्यों के लिए 'सबसे पसंदीदा कार्यस्थल 2026-27' के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान टीम मार्क्समेन नेटवर्क द्वारा ई.एंड वाई. एवं कोहेरेंट मार्केट इनसाइट्स (रिसर्च पार्टनर) के सहयोग से आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। इस आयोजन में इंडिया टुडे, ई.एंड.वाई. तथा बिजनेस स्टैंडर्ड जैसी अग्रणी संस्थाओं ने सहभागिता की।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की ओर से यह सम्मान राकेश जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ-सीमेंट, शरत चांडक, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ-जॉनसन टाइल्स, संजय राय, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ- आरएमसी, प्रवीर कुमार रे, एडवाइजर, तथा डॉ. मनीष कुमार सिन्हा, हेड- एचआरएम एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं हेड-कॉर्पोरेट एचआर, आरूण्यम बिहेवियरल स्पेस्लिस्ट एलएलपी के करकमलों से प्राप्त किया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम - सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि यह सम्मान उन संस्थानों को प्रदान किया जाता है जो उत्कृष्ट कार्यस्थल संस्कृति, कर्मचारी संतुष्टि, प्रतिभा विकास एवं प्रभावी मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हैं। इस सम्मान के छठे संस्करण में देश की अग्रणी कंपनियों को यह प्रतिष्ठित मान्यता प्रदान की गई, जिनमें प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड भी शामिल है।

इस अवसर पर प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के राकेश जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ-सीमेंट डिवीजन ने कहा कि 'सबसे पसंदीदा कार्यस्थल 2026-27' का यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि हमारे प्रत्येक कर्मचारी के समर्पण, उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, साझा मूल्यों और निरंतर उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता की राष्ट्रीय स्तर पर मिली स्वीकृति है। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त होने पर विजय अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, राकेश जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ-सीमेंट डिवीजन, मनीष सिंह, प्रेसिडेंट एंड प्लांट हेड, डॉ.मनीष कुमार सिन्हा, हेड-एचआरएम एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं हेड-कॉर्पोरेट एचआर सहित कंपनी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रिज्म परिवार के सामूहिक प्रयासों एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिणाम बताया।

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन मध्यप्रदेश ने आयोजित की कप्तानों की जागरूकता कार्यशाला

नगर संवाददाता, सतना।

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन, मध्यप्रदेश द्वारा राज्य के दस संभागों के कप्तानों हेतु विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संभागीय कप्तानों को दिव्यांग क्रिकेट के नियमों, संगठनात्मक संरचना एवं खेल विकास संबंधी योजनाओं से अवगत कराते हुए प्रदेश स्तर पर दिव्यांग क्रिकेट को और अधिक मजबूत एवं व्यवस्थित दिशा प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में खेल विकास एवं संवर्धन प्रदेश प्रमुख रुपेश जैन ने सभी कप्तानों को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के उद्देश्यों, दिव्यांग क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य एवं संभागों को सशक्त बनाने की योजनाओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग क्रिकेट आत्मविश्वास, सम्मान एवं नए अवसरों का सशक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने कप्तानों से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ने, नियमित कैंप एवं ट्रायल आयोजित करने तथा स्थानीय स्तर पर संसाधन विकसित करने का आह्वान किया। संगठन के सचिव अकांशु खुराना ने खिलाड़ी पंजीयन एवं अनुशासन व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि भविष्य में सभी मैच क्रिकेट हीरोज एप पर दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने सभी संभागों से संगठित एवं व्यावसायिक कार्यशैली अपनाने का आह्वान किया। संगठन के उपाध्यक्ष अंकित रॉकी शर्मा ने घोषणा की रीवा संभाग के मेंटर के रूप में सूर्य प्रकाश गुप्ता को नियुक्त किया गया। संगठन के कोषाध्यक्ष दिनेश सिंह ने संगठन के वित्तीय कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। अंत में सभी संभाग के प्रतिनिधि, रीवा, सागर, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, सितपुरा, ग्वालियर, नर्मदापुरम, उज्जैन, शहडोल, ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

रीवा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत, रीवा द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य जयंती पर सरस्वती ज्ञान मंदिर बिछिया में चित्रकला व भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय व अतुल्य योगदान पर सुंदर भाषण वह चित्रकला की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य हरिश्चंद्र कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम विशेषज्ञ रूप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय व योगदान से युवाओ को अवगत कराया। इस अवसर पर कुलदीप सिंह, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, कार्यक्रम अध्यक्ष पारुल बेगम, निखिल दहायत, राजलाल दहायत, अनामिका शुक्ला, उषा वर्मा, वंदना द्विवेदी श्रुति वर्मा, प्रियंका पांडे, स्वाति वर्मा, ज्योति यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजेश कुशवाहा ने की आपसी बैठक

रीवा। जिला अध्यक्ष कुशवाहा समाज राजेश कुशवाहा के साथ उनके स्नेहीजनों की आपसी मुलाकात करहिया मंडी में हुई। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी उमाशंकर कुशवाहा भी मौजूद रहे। सभी के साथ सामाजिक एकता, जनहित एवं समाज के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। राजेश कुशवाहा के आपसी बैठक में लोगों ने अपनी समस्याओं को भी रखा।

मुखर्जी की दूरदृष्टि के कारण बंगाल भारत में है, पाकिस्तान दो टुकड़ों में बंटा: राजेंद्र शुक्ल

■ **डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर विचार गोष्ठी व प्रदर्शनी का आयोजन**

रीवा, नगर संवाददाता।

भारत के महान राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में विचार गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रदेश मंत्री श्रीमती अर्चना सिंह रही। शुभारंभ वंदे मातरम गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गोष्ठी को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी दूरदृष्टा नेता थे, उनकी दूरदृष्टि के कारण आज का पश्चिम बंगाल भारत में बना रहा। आजादी के बाद पाकिस्तान तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लिए गलियारा मांगकर भारत के फिर टुकड़े करने की योजना में था। डॉ. मुखर्जी ने पाकिस्तान में हुई बातचीत में देश के अंदर से तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लिए गलियारा देने से मना कर पाकिस्तान को दो टुकड़ों में बंटे रहने के लिए मजबूर किया, यह उनकी दूरदृष्टि का ही परिणाम है। डॉ. मुखर्जी का जीवन हम सभी के लिए स्मरणीय व प्रेरणादायी है। उनके बलिदान के कारण जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना है। श्री शुक्ल ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने देश को गलत दिशा में ले जाने के प्रयास के खिलाफ खड़े हुए और मंत्री परिषद से त्यागपत्र देकर कश्मीर में परमिट प्रथम के खिलाफ राष्ट्रवादी आंदोलन खड़ा कर अपना बलिदान दे दिया। डॉ. मुखर्जी के बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके संकल्प को पूरा कर रहे हैं।

डॉ. मुखर्जी की बनाई उद्योग नीति के कारण देश हर दिशा में तेजी से बढ़ रहा: अर्चना सिंह

भाजपा के प्रदेश मंत्री गोष्ठी की मुख्य वक्ता श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि आजाद भारत में सर्वदलीय सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग मंत्री बनाए गए थे। भारत आज जिस उद्योग नीति का अवलोकन कर विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, वह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बनाई उद्योग नीति है। डॉ. मुखर्जी ने छोटे उद्योगों, लघु उद्योगों और बड़े उद्योगों के विकास के लिए एक संस्था की स्थापना की थी, वह संस्था है उद्योग विकास निगम। देश को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्य कर रहे हैं, वह कार्य डॉ. मुखर्जी ने ही शुरू किया था।

अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे डॉ. मुखर्जी: वीरेन्द्र गुप्ता

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कहां किडॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे, 33 वर्ष की आयु में बंगाल के कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। पहले दीक्षांत समारोह अंग्रेजी में हुआ करते थे। डॉ. मुखर्जी ने रबीन्द्रनाथ ठाकुर टैगोर को कोलकाता विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाकर बांग्ला भाषा में दीक्षांत समारोह आयोजित कराया। देश के आजाद होने के बाद उसकी अखंडता को बनाए रखने के लिए पहला बलिदान देने वाले महापुरूष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे।

एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चल सकते: सिद्धार्थ तिवारी

विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चल सकते। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने का उन्होंने खुलकर विरोध किया और इसी मुद्दे पर केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की। मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने ऐसे राजनीतिक दल की कल्पना की थी, जो केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, संगठन, संस्कार और विचारधारा पर आधारित हो। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विवेक गौतम ने किया व आभार कार्यक्रम सह संयोजक नारायण मिश्रा ने किया। इस कार्यक्रम में जिला पंचातय अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, विद्याप्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व विधायक के पी त्रिपाठी, श्यामलाल द्विवेदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गौरव तिवारी, श्रीमती ममता गुप्ता, श्रीमती मनीषा पाठक, नगर निगम अध्यक्ष व्यकंटेश पाण्डेय मुख्य रूप में उपस्थित रहें। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राम सिंह, महाबली गौतम, रमेश गर्ग, माया सिंह लाल बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रबोध व्यास, योगेन्द्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लायंस क्लब रीवा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

5 जुलाई 2026 को लायन इंटरनेशनल डि. 3233-सी के लायंस क्लब रीवा का वर्ष 2026-27 के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय होटल सेलिब्रेशन रीवा में उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। शपथ अधिकारी एमजेएफ लायन पवन मलिक ने नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई एवं नए अध्यक्ष लायन राजेश गुप्ता के कुशल नेतृत्व में सेवा भावना के तहत कार्य करने हेतु मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि एमजेएफ लायन राजेंद्र तिवारी एवं पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन बसंत मिश्रा, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन सज्जी जॉन ने भी अपने विचारों को व्यक्त किया। निवर्तमान अध्यक्ष लायन गुलशन चड्ढा ने वर्ष भर जिन लायन साथियों ने उत्साह एवं लगन के साथ कार्य किया उन्हें उपहार देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में एमजेएफ लायन सूर्य प्रकाश अग्निहोत्री, एमजेएफ लायन मनोग्या सिंह, एमजेएफ लायन वीरेंद्र आर्य एवं लायन वीरेंद्र वर्मा उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रकाशित रोस्टर का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम का संचालन एमजेएफ लायन अतुल जैन एवं क्लब सचिव लायन डॉ आरती गुप्ता के द्वारा किया गया। अन्य क्लबों के पदाधिकारि सदस्य एवं रीवा लायंस नेत्र चिकित्सलाय के चेयरमैन लायन डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे,जिन्हें लायन राजेन्द्र तिवारी मल्टीप्ल काउंसिल चेयरमैन द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ लायन मंगल प्रसाद गुप्ता, एमजेएफ लायन बीके थापर, एमजेएफ लायन डॉ अरुण अग्रवाल, लायन आर.के. सिंह, एमजेएफ लायन डी. पी. सिंह, पीएमजेएफ लायन महेंद्र सर्राफ, एमजेएफ लायन संजय गुप्ता, लायन डॉ अनिल श्रीवास्तव आदि की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

अतुल जैन को पोस्टर प्लेक से सम्मानित किया

एमजेएफ लायन अतुल जैन ग्लोबल मेंबरशिप कोऑर्डिनेटर डि. 3233-ष्ट ने प्रांत में सत्र 2025-26 में 1150 से भी अधिक नए सदस्यता वृद्धि कर एक इतिहास रच कर नया कीर्तिमान बनाया है जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष लायन ए.पी. सिंह ने पीस पोस्टर प्लेक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में आभार लायन डॉ अभय मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। नवीन कार्यकारणी में अध्यक्ष लायन राजेश गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रथम लायन रश्मि गुप्ता, उपाध्यक्ष द्वितीय लायन विभू सूरी, उपाध्यक्ष तृतीय लायन सुनील सिंह जी, सचिव लायन डॉ. आरती गुप्ता, सहसचिव लायन वालेंतीना जैन, कोषाध्यक्ष लायन ओम प्रकाश गौतम, अध्यक्ष सह कोषाध्यक्ष लायन डॉ अभय मिश्रा, पीआरओ लायन डॉ एच.के. पांडे, ट्रेमर लायन डॉ ईशान गोयल, टेल ट्विस्टर लायन सुधाकर तिवारी मनोनीत हुए।

नहीं रहे राज प्रताप सिंह बिछरहटा

रीवा, नगर संवाददाता।

मऊगंज जिले के ग्राम बिछरहटा निवासी राज प्रताप सिंह का रविवार को दुखद निधन हो गया। श्री सिंह पिछले कई दिनों से बिमार थे उनका उपचार संजय गांधी अस्पताल में चल रहा था। उन्होंने अंतिम सांस जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान ली। श्री सिंह अपने पीछे पूरा भरा परिवार छोड़ कर गए हैं। उन्होंने ने 62 वर्ष कि आयु तक स्वास्थ्य विभाग में लगातार अपनी सेवाएं दीं। उनके अंतिम दर्शन के लिए गांव परिवार के साथ साथ रिश्तेदारो का हुजूम उमड़ा रहा। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम बिछरहटा में किया गया, मुखाग्नि ज्येष्ठ पुत्र मनोज सिंह द्वारा दी गई। शोकाकुल परिवार में प्रमुख रूप से मनोज कुमार सिंह आशा सिंह सरोज कुमार सिंह अशोक सिंह प्रमोद कुमार सिंह शशिप्रभा सिंह प्रीतमसिंह नम्रता सिंह सत्यम काजल सिंह विनय लवली सिंह अंकित सिंह पिंटू गुड्डन सिंह अंकिता सिंह अंकी सिंह राज सिंह यू वी सिंह इत्यादि लोगों द्वारा शोक-संवेदना ब्यक्त कि गई है।

तिब्बत की आजादी के सवाल पर स्वतंत्रता के पक्षधरों को आगे आना होगा: अजय खरे

■ **दलाई लामा की 91 वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी संपन्न**

रीवा, नगर संवाददाता।

भारत तिब्बत मैत्री संघ, नारी चेतना मंच के संयुक्त तत्वावधान में तिब्बती आध्यात्मिक नेता नोबेल पुरस्कार विजेता परम पावन दलाई लामा की 91 वीं जन्म वर्षगांठ के अवसर पर तुलसी नगर वार्ड नंबर 10 के मंदिर सभाकक्ष में सोमवार 6 जुलाई को उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन के लिए अपराह्न 3 बजे प्रार्थना की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रद्धा सिंह ने किया। इस अवसर रखी गई संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए रीवा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त सहायक कुल सचिव दल प्रताप सिंह तिवारी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शांति सद्भाव के मार्ग पर चलने वाले दलाई लामा आज विश्व शांति के अग्रदूत हैं। बीसवीं सदी में जब दुनिया के अधिकांश देश आजाद हो गए तब साम्राज्यवादी चीन के द्वारा आजाद तिब्बत को गुलाम बना लिया जाना बहुत अप्रिय और बर्बरता पूर्ण क़दम था। तिब्बत के लोगों को भी दूसरे देशों की तरह आजाद होना बहुत जरूरी है। संगोष्ठी को प्रमुख रूप से संबोधित करते हुए भारत तिब्बत मैत्री संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि परम पावन दलाई लामा जी के जीवन काल में तिब्बत को आजादी मिले। तिब्बत शीघ्र से शीघ्र आजाद हो और हजारों तिब्बतियों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित हो सके। तिब्बतियों के लिए उनका दूसरा घर भारत है। पूरी दुनिया के स्वतंत्रता के पक्षधरों के लिए तिब्बत की आजादी का प्रश्न एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने है। इस सवाल पर सभी को आगे आना होगा। संपन्न कार्यक्रम में दल प्रताप सिंह तिवारी, अजय खरे मुकुन्द मिश्रा, सुखी नंद गौतम, आर एस गौतम, महेंद्र सिंह बघेल, भानमती सिंह पटेल, अशोक सोनी, गीता महंत, डॉ श्रद्धा सिंह, साक्षी मोटवानी महंत, परिवर्तन पटेल, दीपक द्विवेदी, बेला द्विवेदी, शकुंतला सिंह आदि की सक्रिय भागीदारी रही।

किसान सुब्रत ने प्रदीप सोहगौरा को दी श्रद्धांजलि

रीवा। प्रदीप सोहगौरा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसान नेता सुब्रतमणि त्रिपाठी ने कहा कि रीवा जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप सोहगौरा का असमय निधन अत्यंत दुखद। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करे तथा परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मुखर्जी के एक देश, एक विधान,एक निशान, एक प्रधान के संकल्प को साकार कर रही बीजेपी सरकार: गिरीश गौतम

■ **मऊगंज भाजपा कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित**

रीवा, नगर संवाददाता।

भारतीय जनसंख्या के संस्थापक डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर मऊगंज भाजपा कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के उन महान राष्ट्रनायकों में थे जिन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान का सबसे पहले और सबसे मुखर विरोध किया। उनका संकल्प भारत की अखंडता और एकात्मता को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गायन से किया गया। मऊगंज जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि एक देश, एक विधान की भावना को सबसे पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उस संकल्प को साकार किया जा रहा, जिसका सपना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए देखा था। आज पूरा देश उनकी राष्ट्रवादी सोच को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस अखंड और सशक्त भारत का सपना देखा था, उसे साकार करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास की जिम्मेदारी हम सभी की है। जनसंघ की स्थापना के समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ऐसे राजनीतिक दल की कल्पना की थी, जो केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, संगठन, संस्कार और विचारधारा पर आधारित हो। इस अवसर पर महेंद्र सिंह नीलम सिंह, प्रियंका पटेल, सावित्री साहू, प्रदीप सिंह, स्वदीप सिंह,सुरेंद्र सिंह चंदेल, शिवपूजन शुक्ला, अमित सिंह चौहान सुनील शुक्ला सहित बड़ी तादाद में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता: रामलखन सिंह

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार की संगठनात्मक बैठक आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) रीवा के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार द्वारा गठित ग्राम पंचायत एवं वार्ड समितियों के सत्यापन तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संगठनात्मक बैठक का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक के मुख्य अतिथि रीवा संगठन प्रभारी एवं पूर्व विधायक रामलखन सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर मजबूत संगठन ही कांग्रेस की जीत का आधार बनेगा। ग्राम पंचायत एवं वार्ड समितियों का सत्यापन समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया। ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवकुमार तिवारीप्रशांत कुमार गर्ग,विष्णु प्रसाद शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष सिरमौर,प्रदीप द्विवेदी, अनिरुद्ध सिंह,राम सिंह बघेल, रामकुमार शुक्ला, रावेंद्र कुमार तिवारी, वीरेंद्र द्विवेदी ,लालजी तिवारी, मुकेश द्विवेदी,पारसनाथ पांडेय,जितेंद्र तिवारी, अखिलेश्वर तिवारी, डॉ. बृजलाल चौधरी,उमेश कुमार तिवारी, राजमोहन सिंह, शिवकुमार मिश्र, अरविंद द्विवेदी,सुरेंद्र पटेल, प्रफुल्ल त्रिपाठी सहित सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के सभी मंडलम अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, पंचायत प्रभारी, बी.एल.ए., नवनियुक्त ब्लॉक पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदीप सोहगौरा के निधन पर दी गई श्रद्धांजली

बैठक के अंत मे पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप सोहगौरा के अकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया, मुख्यअतिथि सहित उपस्थित सभी कांग्रेसजनों ने दिवांगत आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजली अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनायें व्यक्त की। अंत में मंडलम अध्यक्ष मनकहरी रावेद्र कुमार तिवारी ने उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

आशा कार्यकर्ताओं ने वेतन के लिए किया प्रदर्शन

रीवा, नगर संवाददाता।

आशा एवं आशा पर्यवेक्षकों का वेतन एवं प्रोत्साहन राशि सम्बन्धी समस्याओं का तत्काल निराकरण किये जाने, मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार एक हजार रुपये वार्षिक वेतन में की गई वृद्धि का एरियर सहित भुगतान किये जाने की मांग को लेकर आशा ऊषा पर्यवेक्षक एकता यूनियन (सीटू) द्वारा संगठन के राज्य स्तरीय आह्वान पर कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा। संगठन द्वारा सौपे गये ज्ञापन में सभी प्रकार के वेतन संबंधी भुगतान माह की पांच तारीख तक बिना किसी कटौती के नियमित रूप से करने, प्रोत्साहन राशि में की जा रही अनुचित कटौती पर तत्काल रोक लगाने, प्रत्येक आशा एवं पर्यवेक्षकों को उनके भुगतान की पारदर्शी वेतन पर्ची दिये जाने, आशा कर्मियों से गैर विभागीय काम न कराने, शासकीय चिकित्सालयों के निजीकरण पर रोक लगाने, जिन गांवो में आशा के पद रिक्त हैं वहां पर तत्काल नियुक्त करने, वर्ष में ड्रेस, स्वेटर, शूज, छाता के लिए 2500 रुपये की राशि देने आदि मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। सीटू के जिला सचिव अमित सोहगौरा ने सरकार से तत्काल आशाओं की मांगो के अनुरूप समय पर वेतन तथा 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार एक हजार रुपये की वेतन वृद्धि का एरियर सहित भुगतान करने की मांग उठाई। इस मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष रंजना द्विवेदी, महासचिव निर्मला सिंह, मंजूशा शुक्ला, रेखा मिश्रा, निर्मला सिंह, जयरजुआ साकेत, अभरण पाठक, नीलू मिश्रा, रामवती, पूनतम साकेत, आराधना विश्वकर्मा, पुष्पा, गीता पाण्डेय सहित जिले भर की बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

संपादकीय

यह कैसा खेल चल रहा

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राम मंदिर चढ़ावा-चोरी कांड की सीबीआई से भी जांच कराने पर विचार कर रहे हैं। जांच के दायरे में वे जमीनें भी आएंगी, जो चंपत राय बंसल और अनिल मिश्रा के सौजन्य से खरीदी गईं। जमीनें राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के मद्देनजर खरीदी गई थीं। चंपत राय तब राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव थे और अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट के सदस्य के तौर पर, उन सौदों में गवाह की भूमिका में, हस्ताक्षर किए थे। दोनों चेहरे आज भी ट्रस्ट में हैं और संभवत: आजीवन रहेंगे। पुलिस और विशेष जांच टीम दोनों से लंबी पूछताछ कर चुकी हैं। कुछ खुलासे लीक हुए हैं, लेकिन उन्होंने चोरी कांड में संलिप्तता से साफ इंकार किया है। गुनहगार कब अपना गुनाह कबूल करता है? पूछताछ के बाद भी दोनों के खिलाफ न तो प्राथमिकी दर्ज की गई है और न ही उन्हें आरोपी करार दिया गया है। ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव और कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि भी इसी जमात में हैं। चूंकि अब यह चढ़ावा-चोरी कांड सियासी मुद्दा बनता जा रहा है और विशेषज्ञ अधिकारी और वरिष्ठ अधिवक्ता लगातार सवाल कर रहे हैं कि चंपत राय, अनिल मिश्रा आदि पर प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई? ट्रस्ट 'चोरी का माल' लॉकर में रखने का भी दोषी है। बीती 5 जून को जो लाखों की नकदी बरामद की गई थी, उसे ट्रस्ट को ही क्यों लौटा दिया गया? फिर बरामदगी के माल को 25 जून तक ट्रस्ट ने लॉकर में क्यों रखा? यह कानूनन अपराध है। और 26 जून को पुलिस को लॉकर से ही चोरी का वह माल बरामद करा दिया गया। यह कैसा खेल चल रहा है, भाई? विशेषज्ञ इसे 'अस्थायी गबन' करार दे रहे हैं और ट्रस्ट पर भी प्राथमिकी दर्ज करने की दलीलें दे रहे हैं। यदि उप्र सरकार सीबीआई जांच का भी निर्णय लेती है, तो कितनी जांचें जारी रहेंगी और कितनी जांचें अब भी शेष हैं! जांच तभी सार्थक हो सकती है जब किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचे, या जब आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हो और जांच उसी लाइन पर काम करती हो। अब प्रथमदृष्टया पुष्टि हो चुकी है कि राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी की जानकारी चंपत राय बंसल और उनके ट्रस्ट-साथियों को थी। बरामदगी भी चंपत राय के निर्देशन में की गई। चंपत ने चोरी के सच को 'उल्लेखनीय' नहीं माना, तो जाहिर है कि परदेदारी की गई। कुछ छिपाया गया। विशेष जांच टीम को भी जानकारी नहीं दी गई। तो फिर सीबीआई जांच में कौन-सा पारदर्शी सच सामने आ सकता है? कोई माने या न माने, केंद्र और उप्र की डबल इंजन सरकारें 'आरोपी ट्रस्टियों' को बचा रही हैं, जांचें लीपापोती साबित हो सकती हैं, क्योंकि कुछ माह बाद उप्र में विधानसभा चुनाव हैं और भाजपा हर कीमत पर वह चुनाव जीतना चाहती है। अब विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी कहा है कि यदि चंपत राय को विहिप उपाध्यक्ष के पद से हटाने की नौबत आई, तो विचार किया जाएगा। सोच-विचार करेंगे, हटाना तय नहीं है। बेशक विशेष जांच टीम और पुलिस की कथित जांच और सवाल-जवाब में कई झोल सामने आए हैं। यह विशेषज्ञों का मानना है। दोनों की जांचें भाजपा सरकार के अधीन हैं। सीबीआई जांच भी पूरी तरह 'निर्लिप्त' नहीं होती, क्योंकि वह एजेंसी सीधे प्रधानमंत्री के तहत काम करती है। उधर सरकार की ओर से यह आश्वासन भी दिए जा रहे हैं कि इस धांधली में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। बुलडोजर एक्शन की भी बात हो रही है। सरकार की छवि के लिए यह जरूरी भी है।

आपातकालीन सेवाएं

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेंद्र योगी

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे।

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत-प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के

मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में ज़ोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं ज़ोन-5 में ज़्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाक़ा सीस्मिक ज़ोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज़ रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के क़रीब 59त्न भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक ज़ोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज़्यादा बताते हैं। ग़ौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक ज़ोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का ख़मियाज़ा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर ख़तरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज़्यादातर शहर हिमालय ज़ोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज़्यादा ख़तरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के ज़ोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले ज़ोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग ज़ोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीक़े से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हज़ार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ़ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निश्मन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।

ऊर्जा संकट और मोदी सरकार

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पश्चिम एशिया में युद्ध संकट के दौरान भारत ने जिस तरह ऊर्जा सप्लाई के संकट का सामना किया और देश में ईंधन, पैट्रोल व डीजल सहित गैस की आपूर्ति को सुनिश्चित किया वह वास्तव में नीतिगत स्तर से लेकर व्यावहारिक स्तर तक नागरिकों की समस्याओं को समाधान करने वाला था। अत: इस कथन में जरा भी अतिशयोक्ति नहीं है कि 21वीं सदी के अभी तक के इस सबसे बड़े ऊर्जा संकट के समय सत्तारूढ़ मोदी सरकार ने बहुत संयम, धैर्य से काम लेते हुए अपने कूटनीतिक सम्बन्धों के जरिये पैट्रोल व डीजल सहित ईंधन गैस की सप्लाई के वैकल्पिक मार्ग खोजते हुए भारत के लोगों को वे कष्ट नहीं होने दिये जो विश्व के अन्य देशों के लोग झेल रहे थे।

ईरान- इजराइल व अमेरिका युद्ध के दौरान सरकार ने एक तरफ देश के हर पैट्रोल पंप पर पैट्रोल व डीजल की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित की और दूसरी तरफ इनके खुदरा दामों को भी नहीं बढ़ने दिया। हालांकि ईंधन गैस सप्लाई के मोर्चे पर कुछ दिक्कतें आयीं और इसकी सप्लाई में भी देश के सुदूर क्षेत्रों में अवरोध पैदा हुए और कुछ दाम भी बढ़ाने पड़े परन्तु कमोबेश तरीके से इस पर भी नियन्त्रण रखने की पूरी कोशिश की गई। इसलिए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना पूरी तरह तार्किक है कि 'संकट के समय भारत की कूटनीति का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध ही संकट की घड़ी में बहुत काम आये'।

श्री मोदी ने ये शब्द तब कहे जब वह बीते दिन राजस्थान के बलोत्तरा संभाग के पचपदरा में देश के पहले ग्रीन फील्ड एकीकृत तेल शोधन व पैट्रोकेमिकल परियोजना परिसर को देश को समर्पित कर रहे थे। इस परियोजना के चालू होने से भारत विश्व का चौथा ऐसा सबसे बड़ा देश हो जायेगा जिसकी तेल परिशोधन की क्षमता सर्वाधिक है जबकि दूसरी तरफ भारत अभी भी अपनी ऊर्जा सप्लाई की जरूरत 80 प्रतिशत आयात करके ही करता है। इसका मतलब यह निकलता है कि भारत कच्चे तेल के परिशोधन के मामले में दुनिया का एक बड़ा केन्द्र होने में तेजी से अग्रसरित हो रहा है।

जहां तक भारत की कूटनीति का प्रश्न है तो पश्चिम एशिया युद्ध के समय देश के विपक्षी दलों व इनके नेताओं ने मोदी सरकार की विदेश नीति की कटु से कटुतम आलोचना यहां तक की कि इसे अमेरिका का पिछलग्गू तक बता दिया परन्तु मोदी सरकार ने इस सबकी परवाह न करते हुए ऊर्जा सप्लाई के अन्य वैश्विक स्रोतों को खोजा और फारस की खाड़ी के समुद्री मार्ग के बन्द होने के बावजूद उनसे कच्चे तेल की सप्लाई के अन्य समुद्री मार्ग खोले। युद्ध से पहले जहां भारत लगभग 25 देशों से तेल का आयात करता था वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 45 के लगभग हो गई है। इसके समानान्तर युद्ध की वजह से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के अनाप-शनाप दाम बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार में पैट्रोल व डीजल के भाव बढ़ने का खतरा अलग से था जिसे केन्द्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में दस रुपये प्रति लीटर की कमी करके सन्तुलित करने का प्रयास इस तरह किया कि पैट्रोल पंपों पर इनके दाम स्थिर बने रहें।

घरेलू बाजार में दाम स्थिर रखने की कवायद में भारत की तेल कम्पनियों को हालांकि 75 हजार करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ परन्तु सरकार ने इसका भार उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ने दिया और छिटपुट रूप से ही पैट्रोल व डीजल के दाम बढ़ाये तथा इनकी निर्बाध सप्लाई जारी रखी। श्री मोदी इस बाबत यह कहने से नहीं चूके कि जब भारत के लोग पश्चिम एशिया के संकट से जूझ रहे थे तो कुछ राजनैतिक दल व नेता लोगों में घबराहट पैदा करने व उन्हें भड़काने के काम में लगे हुए थे और उनमें असुरक्षा की भावना को बल दे रहे थे परन्तु उनकी सरकार की नीतियों व जमीनी व्यावहारिक कदमों की वजह से ऐसा नहीं हो सका और विरोधियों को मुंह की खानी पड़ी। इसका प्रमुख कारण यह है कि श्री मोदी की सरकार की नीतियां सामान्यत: जन कल्याण को केन्द्र में रख कर बनाई जा रही हैं।

अर्थव्यवस्था के इस बाजारीकरण के दौर में 'कल्याणकारी राज' की संवैधानिक परिकल्पना को मूर्त रूप देना आसान काम नहीं है क्योंकि इस व्यवस्था में हर क्षेत्र में निजी क्षेत्र व विदेशी निवेश को महत्ता देना सरकार की मजबूरी होता है अत: इस वातावरण में समाज के सबसे गरीब व पिछड़े व्यक्ति के हितों का संरक्षण करने के साथ विकास का सौपान चढ़ना बहुत ही पेचीदा होता है। यही वजह है कि मोदी सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को आज भी मुफ्त राशन की सुविधा दे रही है जिसे प्राय: आलोचक भारत की गरीबी से जोड़ कर देखते हैं मगर वे भूल जाते हैं कि किसी भी लोकतन्त्र में सरकार का पहला धर्म आर्थिक रूप से विपन्न जनता की भूख से लेकर उसकी आवास व स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने का ही होता है।

इस मोर्चे पर मोदी सरकार अपने सत्तारूढ़ होने के पहले वर्ष से ही बहुत सतर्क है और उसने विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चला रखी हैं जिनमें पांच लाख रुपये तक की वार्षिक चिकित्सा सुविधा भी शामिल है। लोकतन्त्र में सरकार के इकबाल की सबसे बड़ी पहचान भी यही होती है कि गरीब जनता के मन में उस सरकार की छवि कैसी है। अत: पश्चिम एशिया संकट के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की समीक्षा हम इसी पैमाने से करेंगे। बेशक इस संकट की वजह से भारत में महंगाई बढ़ी है और आवश्यक खाद्य वस्तुओं व सेवाओं के दाम तेज हुए हैं मगर इन पर काबू तभी पाया जा सकता है जब समन्वित रूप से सरकारी व निजी क्षेत्र मिल कर काम करें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

जांच तो होनी चाहिए

संतोष उत्सुक

गहन जांच का सख्त हुक्म होता है तो उसमें किसी तरह की राजनीति हो नहीं सकती क्यूंकि जांच के गर्भ में महत्त्वपूर्ण फैसला छिपा होता है। जांच के आदेश में जन भावना का सम्मान दिखता है। यह तो जांच होने के बाद ही पता चलता है कि जांच में क्या निकला और क्या नहीं निकला। कुछ को लगेगा जांच में यह नहीं निकला, वह तो बिलकुल नहीं निकलना चाहिए था। विद्वान व्यक्ति बता दिया करते हैं कि फलां जांच में कुछ ऐसा निकलना चाहिए था। समझदार लोगों का मत होता है कि जांच के आदेश से विपक्ष के झूठ और भ्रम पर रोक लगनी शुरू हो जाती है। उनके अनुसार राजपक्ष से सम्बंधित, मुश्किल से चुनाव जीत कर आए नेताओं को बदनाम करना शुरू हो गया था इसलिए जांच बिठानी पड़ी। बदनामी को दुर्भाग्यपूर्ण माना जाता है और जांच शुरू होने को शुभ मानते हुए कहा जाता है कि जांच जैसे पवित्र कार्य से सचाईजी, पूरी तरह सुसज्जित होकर सबके सामने खड़ी हो जाएंगी। जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज़ खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है। उस तरह की जांच के आदेश मात्र से एंटी सोशल मीडिया पर छाए तमाम वीडियो और दूसरे सामाजिक मंचों से फ़ैल रहे भ्रम और अराजकता का जो माहौल खड़ा किया जा रहा होता है उसका निर्माण गैर कानूनी ईमारत के निर्माण की तरह रुक जाता है। जांच उचित तरह से हो जाए तो जनता को बरगलाने वाले कुछ समय के लिए तो बेनकाब हो जाते हैं, क्या कहा करते हैं कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है।

व्यंग्य

दिलचस्प यह है कि आजकल निरंतर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले, बड़े आकार के शहरों का पानी भी महादूषित और जानलेवा होने लगा है जिसकी जांच भी करने लायक है। दूध तो इतना उपलब्ध है जितने पशु नहीं हैं। अगर ऐसे मामलों में जांच घोषित हो तो जनता अपनी जीत समझ लेगी और मस्त रहेगी । वह बात अलग है कि जांच कई साल पकाने के बाद परिणाम का हलवा उन्हें स्वादिष्ट नहीं लगेगा। जांच करने वालों की विश्वसनीयता, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं लेकिन क्या फ़र्क पड़ता है सवाल उठाए जाएं या बिठा दिए जाएं। असली बात तो जवाबों में होती है। किसी ने लिखा भी है, जवाब जिनका नहीं वो सवाल होते हैं। आम जनता तो सवालों से ही खुश हो जाती है। कुछ ख़ास लोग जांच के परिणामों का इंतज़ार करते रहते हैं। सवालों के न दिए जा सकने वाले जवाब चाहते रहते हैं। ख़ास सवाल जब जांच में फंस जाएं तो जवाबों के रंग ढंग सब बदल जाते हैं। जांच करने वाले भी सोचते तो होंगे कि कैसे कैसे संगीन मामलों की जांच को, बेचारी कर देना पड़ता है। जांच का फैसला दर्जनों पृष्ठ का होता है लेकिन दोषी परेशान नहीं दिखते। यही तो जांच की अच्छी बात होती है।

जब तक मुर्दा ओटीपी, पासवर्ड नहीं बताएगा उसका फ्यूनरल नहीं हो पाएगा...

आजकल ओटीपी और पासवर्ड को लेकर लोग भारी परेशान हैं ,हर जगह या तो पासवर्ड बताओ या फिर ओटीपी ,हाल तो ये है कि देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक से यदि एकमुश्त दस हजार रुपए एटीएम से निकालना चाहे तो वो पहले ओटीपी मांगता है इसलिए आजकल आदमी दो बार में पांच पांच हजार निकाल लेता है कि ओटीपी न बताना पड़े। ऑनलाइन सामान बुलवाओ डिलीवरी बॉय तब तक सामान नहीं देगा जब तक आप ओटीपी नहीं बताओगे। अरे भैया हमने पैसा दे दिया, तुम सामान ले आए, घर का पता तुम्हें मालूम है, घर में कोई पड़ोसी तो रहने आएगा नहीं, रहेगा तो वही आदमी जिसने आर्डर दिया होगा लेकिन नहीं पहले ओटीपी बताओ तब जाकर माल की डिलीवरी होगी। लोग बाग आजकल सोशल मीडिया पर बड़े एक्टिव है फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, ईमेल, सब पर लगे हुए लेकिन सबका पासवर्ड चाहिए अगर आप अपना पासवर्ड भूल गए तो समझ लो आपका बंटाधार तय है। लाख कोशिश कर लो ना आपका फेसबुक खुलेगा, ना जीमेल खुलेगी, ना इंस्टाग्राम खुलेगा, ना व्हाट्सएप खुलेगा ,इतना तो बचपन में पाठ याद करने में टाइम नहीं लगता था जितना आजकल पासवर्ड याद रखने में लगता है। यही हाल क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, एटीएम का भी है सब में पहले पासवर्ड डालो तब जाकर पैसा निकलेगा कार्ड भी दसियों हो गए हैं एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कार्ड, समग्र आईडी का कार्ड, पैन कार्ड, एम्पलाई कार्ड और अब बच्चों के लिए अपार कार्ड भी बनाना तय हो गया है आदमी का पर्स कार्डों से भरा हुआ है कब कौन सा कार्ड सरकार मांग ले कोई भरोसा नहीं, किस कार्ड के आधार पर यह बता दिया जाए कि आप भारत के नागरिक नहीं है कोई कुछ नहीं कह सकता।ओटीपी का तो हाल ये हो जाएगा कि प्रेमी प्रेमिका से बात करना चाहता है तो बोलेगी पहले ओटीपी बताओ तब बात करना, पति-पत्नी के साथ रोमांस करना चाहेगा तो पत्नी बोलेगी पहले पासवर्ड बताओ या फिर ओटीपी। हाल ये हो जायेंगे कि मरीज का अस्पताल में ऑपरेशन होना है वो ऑपरेशन टेबल पर लेटा हुआ है डॉक्टर हाथ में कैंची चाकू लिए तैयार खड़ा है लेकिन तब तक ऑपरेशन नहीं कर रहा जब तक मरीज अपना पासवर्ड या ओटीपी नहीं बता देता मरीज मर जाए उससे कोई लेना-देना नहीं जब तक ओटीपी नहीं आएगा तब तक डॉक्टर हाथ नहीं लगाएगा । ट्रेन में चढ़ता है तो ओटीपी के बना ट्रेन में नहीं चढ़ पाओगे, बस से यात्रा करना है तो पासवर्ड चाहिए, प्लेन में बैठना है उसके पहले आपको पासवर्ड या ओटीपी बताना पड़ेगा तब आप यात्रा के लिए सूटेबल हो पाए हो पाओगे। अपने को तो लगता है कि वो दिन भू दूर नहीं है जब शमशान घाट में मुर्दे से भी पूछा जाएगा कि पहले ओटीपी बताओ पासवर्ड बताओ तभी तुम्हारा फ्यूनरल हो पाएगा वरना बॉडी ऐसे ही पड़ी रहेगी हो सकता है घर वाले तेरहवीं कर दें बरसी भी हो जाए लेकिन फ्यूनरल ना हो पाए बिना ओटीपी या बिना पासवर्ड के।

बारिश से डरती पुलिस

एक बड़ी मजेदार खबर अखबार में आई है। लुधियाना में एक सेवानिवृत अधिकारी थे कहीं बाहर गए थे घर में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था, रात को दो बजे अचानक नींद खुली और उन्होंने देखा कि उनके घर में कुछ लोग घुस रहे उन्होंने तुरंत पड़ोसी के बेटे को फोन किया और उसने पुलिस को फोन किया कि पड़ोस वाले अंकल के सूने घर में चोर घुसे हुए हैं आप लोग जल्द आ जाइए, तो पुलिस वालों ने जवाब दिया कि बाहर बहुत तेज बारिश हो रही है हम नहीं आ पाएंगे। आम आदमी इसमें पुलिस का बड़ा मजाक उड़ा रहे हैं अरे भाई इसमें मजाक उड़ाने की क्या बात है हो सकता है सरकार ने उन्हें बरसाती ना दी हो, इतनी तेज बारिश में सड़क में कौन से गड्ढे में गिर जाए कोई भरोसा नहीं है, वैसे भी बारिश में चलना खतरनाक होता है, ना सामने कुछ दिखता है ना पीछे कौन आ रहा है ये दिखाई देता है सही तो कहां पुलिस ने बारिश तेज है ।चूंकि मामला बरसात का था इसलिए बारिश तेज का बहाना बन गया भविष्य में यदि कोई गर्मी में कंप्लेंट करेगा तो ये कहा जाएगा भैया बाहर लू चल रही है हम नहीं आ पाएंगे, यही हाल ठंड का होगा कि बाहर कड़कड़ाती ठंड है हम थाने से बाहर निकले तो निकलें कैसे? फिर दूसरी बात जब तक पुलिस उनके घर तक पहुंचती तब तक तो चोर महोदय अपना काम करके निकल लिए होते,पुलिस ने भी सोचा होगा कि जब चोर पकड़ में ही नहीं आना है तो काहे को इतनी कवायत करो । लुधियाना पुलिस ने जो भी किया था सही किया और इसी चक्कर में चोर लाखों का माल लूट के निकल गया

वे खुद शिकार हो गई

कांग्रेस में इस समय भारी जंग चल रही है एक नेता दूसरे नेता की जड़ खोदने में लगा है जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश करते हुए बहुत बड़ा गुब्बारा फुलाया लेकिन दिग्विजय सिंह ने एक छोटी सी सुई से उस गुब्बारे की पूरी हवा निकल कर रख दी। इधर कांग्रेस महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका करारजिन पर जिम्मेदारी थी कि वे महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने में अपनी पूरी ताकत लगा दें उनकी पार्टी ने उनको ही नोटिस देकर उनका उत्पीड़न कर दिया, अब बेचारी सोशल मीडिया पर अपना दुखड़ा रो रही हैं कि नोटिस के नियम क्या महिलाओं के लिए ही हैं उधर दिग्विजय सिंह के खिलाफ निधि चतुर्वेदी ने जो पोस्ट लिखी उस पर उनको भी नोटिस मिल गया जबकि पार्टी में ये कहां जा रहा है कि महिलाओं के लिए आरक्षण किया जाएगा लेकिन सवाल ये है कि जो महिला महिलाओं की उत्पीड़न के लिए बनाए गए प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अपना ही नोटिस रूपी उत्पीड़न नहीं रोक पा रही है उसे नोटिस दिया जा रहा है तो फिर वह दूसरी महिलाओं के उत्पीड़न को क्या खाक रोक पाएगी? वैसे उसका कहना सही है कि बड़े नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को दलाल और ब्लेकमेलर कह दिया उनको तो आज तक कोई नोटिस नहीं मिला आखिर ऐसा पार्टी में क्यों हो रहा है लेकिन अपने को मालूम है कि कांग्रेस को किसी चीज से कोई लेना-देना नहीं पार्टी जैसी चल रही है वैसे ही चलती रहेगी भले ही बीच-बीच में तरह-तरह के बयान आते रहे लेकिन होना जाना कुछ नहीं है ये अपने को भी मालूम है और हर कांग्रेसी को भी।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

अजी सुनते हो, हमारी शादी कराने वाले पंडित जी का देहांत हो गया। श्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

मैं तो पहले ही कहता था कि जिस दिन उसने हमारी शादी करवाई थी उसी दिन तय हो गया था एक न एक दिन उसे उसके पापों की सजा जरूर मिलेगी!श्रीमान जी ने उत्तर दिया।

विश्वगीताप्रतिष्ठानम और वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान द्वारा आयोजित गीता ज्ञान यज्ञ सप्ताह

'सामान्य मनुष्य नहीं पहचान पाता ईश्वर को'

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

विश्वगीताप्रतिष्ठानम के तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान कम्पू द्वारा आयोजित गीता ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को आचार्य डॉ. विष्णु नारायण तिवारी ने कहा कि परमात्मा सर्वत्र विद्यमान, अजन्मा, अविनाशी और सर्वज्ञ होते हुए भी योगमाया से आवृत रहते हैं, जिसके कारण सामान्य मनुष्य उनके वास्तविक स्वरूप को पहचान नहीं पाता। उन्होंने कहा कि सीमित बुद्धि वाले लोग भगवान के दिव्य स्वरूप को समझे बिना उन्हें सामान्य मानव रूप में ही देखते हैं। उन्होंने कहा कि योगमाया कोई अज्ञान नहीं बल्कि ईश्वर की दिव्य शक्ति है, जिसके कारण केवल श्रद्धा, भक्ति, सत्संग और आत्मशुद्धि से युक्त साधक ही परमात्मा का अनुभव कर सकता है। केवल तर्क या बाह्य ज्ञान से ईश्वर का साक्षात्कार संभव नहीं है। इस अवसर पर डॉ. ओमप्रकाश पटसारिया, डॉ. बालकृष्ण शर्मा, अशोक गुप्ता, रत्ना कपूर आदि उपस्थित रहे।

भगवान मुक्ति दिलाने के लिए लेते हैं अवतार

ग्वालियर विवेक विहार कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिवस सोमवार को भागवताचार्य पं. गायत्री देवी ने कहा कि जब भी धरा पर आनाचार अत्याचार बढ़ जाता है तो उससे मुक्ति दिलाने भगवान अवतार लेते हैं। भगवान राम ने त्रेता युग में एवं भगवान श्री कृष्ण ने द्वापर युग में अवतार लेकर पृथ्वी को अनाचारियों से मुक्त कराया। उन्होंने कहा की जिन्हें भगवान कृष्ण के जन्म उत्सव की कथा सुनने का अवसर मिलता है उनके बच्चे कभी बीमार नहीं होते। इस कथा को सुनने से बांझ माता की भी गोद भर जाती है। कथा में नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल के भजन पर श्रद्धालु झूम कर नाचे और भगवान श्री राम एवं भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया।

आसमानी माता मंदिर पर मेला महोत्सव

लश्कर क्षेत्र के गोल पहाड़िया स्थित प्राचीन आसमानी माता मंदिर पर देश-प्रदेश में अच्छी वर्षा और सुख-समृद्धि की कामना के साथ ग्वालियर मांझी आदिवासी समाज द्वारा परंपरागत चार पालकी मेला महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजू बाथम, दीपक मांझी, भगवान सिंह कुशवाह, केशव मांझी, हरपाल मांझी आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम कथा कल से

प्राचीन शिवधाम मंदिर समाधिया कॉलोनी में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन 8 से 15 जुलाई तक किया जाएगा। कथा का समय शाम 5 से रात्रि 8:30 बजे तक रहेगा। कथा का वाचन योगे देशपाण्डे द्वारा किया जाएगा।

संस्कार, देशभक्ति, योग और कला की विविध विधाओं में बच्चों को मिला प्रशिक्षण

गायत्री प्रज्ञा पीठ, कंपू द्वारा आयोजित दो माह लंबे ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन सोमवार को हुआ। शिविर में बच्चों को संस्कार, योग, संगीत, नृत्य, चित्रकला, आर्ट एंड क्राफ्ट सहित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही वीर सावरकर, राम प्रसाद बिस्मिल, रानी लक्ष्मीबाई सहित शहीदों के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन के माध्यम से देशभक्ति का संदेश भी दिया गया। शिविर के दौरान वन स्टॉप अनाथालय की बालिकाओं ने भारतीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। इसके साथ ही विश्व तंबाकू दिवस एवं पर्यावरण दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा जागरूकता संदेश एवं चित्रकला प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर विभिन्न प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनु अग्रवाल, सुमन परिहार, स्वाति अग्रवाल, डॉ. अनुराधा शर्मा आदि उपस्थित रहे। संचालन श्याम सुंदर खत्री ने किया।

हरियाली ही हमारा जीवनः ढोली बुआ

सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर के तत्वावधान में 23 जुलाई को श्री परशुरामेश्वरम मंदिर में होने वाले ब्राह्मण मिलनोत्सव एवं सामूहिक जनेऊ संस्कार प्रधान कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ढोली बुआ महाराज ने कहा कि पहली बार ग्वालियर में सामूहिक जनेऊ संस्कार और ब्राह्मण मिलनोत्सव वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आयोजित किया जा रहा है, जो समाज में संस्कारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि 'हरियाली ही जीवन है' और तुलसी पौधों का वितरण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल है। कार्यक्रम में बालेन्दु शुक्ला ने कहा कि परिचय सम्मेलन समाज में दहेज प्रथा और फिजूलखर्ची को रोकने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयवीर भारद्वाज ने किया।

75 शिवभक्तों का तीसरा जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

अमरनाथ यात्रा के लिए सोमवार को ग्वालियर से 75 शिवभक्तों का तीसरा जत्था 'जय बाबा बर्फानी' के जयघोष के साथ जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हुआ। यह जत्था अंडमान झेलम एक्सप्रेस से रवाना हुआ, जिसका नेतृत्व समिति के कोषाध्यक्ष पन्नालाल गौड़ एवं भंडार प्रबंधन अशोक राणा ने किया। यात्रा दल में आशाराम गौड़, विकास वाधवानी, छविराज गौड़, भगवान सिंह, जगदीश कुशवाह, ज्योति, तान्या, प्रियंका, श्रद्धा खुराना, सतीश गौड़ सहित अनेक श्रद्धालु शामिल रहे।

वक्त कैसा भी हो कभी एक सा नहीं रहता

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भगवत साहित्य परिवार के तत्वावधान में कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन चित्रगुप्त मंदिर आदर्श पुरम में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. किंकरपाल सिंह जादौन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पा मिश्रा उपस्थित रहीं। अध्यक्षता अनंगपाल सिंह अनंग ने की।

इस अवसर पर तीन विशिष्ट साहित्यकार डॉ. मंजूलता आर्य, अनिल राही और पुष्पा मिश्रा का शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात कवि सम्मेलन के क्रम में रमेश त्रिपाठी मछंड ने काव्यपाठ करते हुए गजल 'तमाशा रहमो करम देखते हैं, तुझे हर बहाने से हम देखते हैं' सुनाया। कविता उपाध्याय ने कुछ यूं पढ़ा बाट जोहत बैठ दुआरे, अइहैं अब तो लाल हमारे। आरती अक्षत ने वक्त कैसा भी हो कभी एक सा नहीं रहता, बहुत दिनों तक याद कोई हादसा नहीं रहता। आदित्य अंशुधर ने जिंदगी के साज पर मैं गुनगुनाना चाहता हूं, दर्द सीने में छुपाकर मुस्कुराना चाहता हूँ। राम लखन शर्मा अंकित ने सृष्टि जगत के कण कण में है, प्रभु का अनुपम धाम, बताओ कहां नहीं हैं राम। इसी क्रम में अनिल राही, दशरथ सिंह राजावत, अशोक मस्तराज, सरिता चौहान, पुष्पा मिश्रा, दीपेंद्र तोमर, राम मिश्रा आदि ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सियाराम शर्मा, शिरोमणि सिंह, जगवीर भदौरिया,पप्पन भदौरिया, अभिषेक तोमर आदि उपस्थित रहे। संचालन राम लखन शर्मा और आभार पप्पन भदौरिया ने व्यक्त किया।

ई रिक्शा ने जवान को मारी टक्कर, पैर टूटा

ग्वालियर। तेज गति से दौड़ रहे ई-रिक्शा की चपेट में आकर ड्यूटी पर जा रहा जवान घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद आरोपित चालक मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया। घायल को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक की पहचान शुरु कर दी है। पुलिस लाइन में रहने वाले अशोक कुमार पुत्र नारायण राठौर आरक्षक हैं और शनिवार को घर से प्रातः गश्त करने के लिए मोटर साइकिल से घर से निकला था। बताया गया है कि आरक्षक लक्ष्मीगंज धर्मकांटा के पास पहुंचा था कि तभी सामने से आ रहे ई-रिक्शा के चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आरक्षक का पैर टूटकर गया। चालक मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया। सड़क दुर्घटना का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले आरोपित चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष से मिले प्राध्यापक लंबित मांगों के निराकरण की लगाई गुहार

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा विभाग में वर्षों से लंबित सेवा संबंधी मांगों के निराकरण को लेकर प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ ने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने का अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्वालियर संभाग एवं जिले के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर उन्हें मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि लंबित मामलों के कारण प्रदेशभर के हजारों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं और अब इन पर शीघ्र निर्णय लिया जाना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष को बताया कि प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक, प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी वर्षों से कैरियर एडवांसमेंट योजना (सीएएस), पदोन्नति, नियमितीकरण, पदनाम, सेवानिवृत्ति आयु वृद्धि तथा सेवानिवृत्त शिक्षकों के लंबित भुगतान जैसे महत्वपूर्ण मामलों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इन मांगों के समर्थन में प्रदेशभर के महाविद्यालयों में 1 जुलाई से शिक्षक काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध भी दर्ज करा रहे हैं। ज्ञापन में वर्ष 2004 और 2005 में नियुक्त बैकलॉग सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि नियुक्ति तिथि से दो वर्ष पूर्ण मानते हुए उन्हें नियमानुसार कैरियर एडवांसमेंट योजना का लाभ देने तथा आवश्यक शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने के लिए वर्ष 2028 तक का अवसर देने की मांग की गई। इसके अलावा वर्ष 2009, 2011 और 2019 में नियमितीकरण से वंचित सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त कर उन्हें भी शीघ्र सीएएस का लाभ देने सहित अन्य मांगों को जल्द पूरा करने की गुहार लगाई। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना, संभागीय सह सचिव डॉ. अर्चना शर्मा, जिला अध्यक्ष डॉ. अशोक बरैया, दतिया अध्यक्ष डॉ. शिव सिंह, डॉ. वेदप्रकाश श्रोत्रिय, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. बृजराज सिंह, डॉ. प्रदीप भदौरिया, डॉ. अनिल शुक्ला, डॉ. बलवीर सिंह सहित लगभग 30 प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी उपस्थित रहे।

'अभय' का विशेष साक्षात्कार दूरदर्शन पर

ग्वालियर। सहकारिता विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त आयुक्त, वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजकिशोर वाजपेयी 'अभय' का विशेष साक्षात्कार दूरदर्शन मध्यप्रदेश पर 7 जुलाई मंगलवार को सुबह 11:30 बजे प्रसारित किया जाएगा। दर्शक इस कार्यक्रम को टाटा स्काई के चैनल 1175 पर देख सकेंगे। राजकिशोर वाजपेयी 'अभय' प्रशासनिक सेवा के साथ-साथ साहित्य जगत में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। उनकी चर्चित कृतियों में 'शब्द-शिखर' (गीत संग्रह), 'मुक्तक-लोक', 'वंदना-लोक' तथा 'सृजन और प्रतिध्वनियां' प्रमुख हैं।

देश के लिए बलिदान देने वाले महापुरुष को याद रखेंः राजौरिया

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

आज जो कश्मीर हमारा सिरमौर है उसका कारण ओर कोई नहीं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही है। नहीं तो यह कांग्रेसी कश्मीर भी देश से अलग कर देते। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने सोमवार को बालभवन में युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित छात्र सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा हमारे पितृपुरुष डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का ही पुरुषार्थ है कि आज हम भाजपा की सरकार में भारत को विश्वगुरु बनाने की तरफ बढ़ रहे हैं। स्वागत भाषण युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रतीक तिवारी ने देते हुए कहा कि छात्रों को अपनी दैनिक जीवन की कठिनाई को छोड़ कर राष्ट्रहित में विचार करना चाहिए। इस अवसर पर साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा और पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी ने भी संबोधित किया। संचालन युवा मोर्चा की जिला मंत्री पूनम पाल ने एवं आभार प्रदर्शन महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष करुणा सक्सेना ने व्यक्त किया। महामंत्रीगण जवाहर प्रजापति, धर्मेंद्र तोमर, राजू पलैया, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलिमा शिंदे, प्रदेश मंत्री डॉ अंजली रायजादा, राहुल धमोले, राहुल भदौरिया, रमाकांत शर्मा सहित पार्टी के युवा और महिला मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम जारी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

प्रदेश के राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा का परिणाम 7 जुलाई को दोपहर 2 बजे घोषित किया जाएगा। विद्यार्थी एवं अभिभावक राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर परिणाम देख सकेंगे। इसके साथ ही इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 16 से 23 जून 2026 के बीच 5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में प्रदेश के शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 1 लाख 17 हज़ार से अधिक और कक्षा 8वीं के 1 लाख 32 हज़ार से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केंद्र बनाये गए थे। 17 हज़ार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई है।

सीए स्टूडेंटस ने बैडमिंटन कोर्ट पर दिखाया दमखम

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ग्वालियर ब्रांच की छात्र इकाई सिकासा द्वारा सीए स्टूडेंट्स के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन जीवाजी क्लब में किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में सीए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद भी व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी विद्यार्थियों के साथ बैडमिंटन खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। सिकासा चेयरमैन सीए नगेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि प्रतियोगिता में सिंगल्स और डबल्स दोनों वर्गों के मुकाबले आयोजित किए गए। सभी मैच 15-15 अंकों के सेट के आधार पर खेले गए, जिनमें प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणामों में गर्ल्स सिंगल्स का खिताब दिव्या शर्मा ने जीता, जबकि गर्ल्स डबल्स में योगिता नामदेव और वैष्णवी शिवहरे की जोड़ी विजेता रही। बॉयज सिंगल्स में प्रांजल शर्मा ने जीत हासिल की, वहीं बॉयज डबल्स में आयुष गुप्ता और प्रांजल गुर्जर की जोड़ी ने बाजी मारी। समापन समारोह में सभी विजेताओं को ट्रॉफी तथा प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सिकासा चेयरमैन सीए नगेन्द्र सिंह कुशवाह, सीए मयूर गर्ग, सीए पंकज शर्मा, विवेक कुमार जैन, विकास गुप्ता, संजय वर्मा एवं संजय नीखरा आदि उपस्थित रहे।

अचलेश्वर मंदिर परिसर में मजार निर्माण के विरोध में विहिप और बजरंग दल का प्रदर्शन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ऐतिहासिक अचलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कथित रूप से मजार निर्माण और बाहरी लोगों के अवैध रूप से रहने के आरोपों को लेकर सोमवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मामले की जांच कर कथित अवैध निर्माण को हटाने और परिसर में रह रहे लोगों के संबंध में कार्रवाई करने की मांग की।

विहिप के प्रांत उपाध्यक्ष पप्पू वर्मा ने बताया कि उन्हें मंदिर परिसर में कथित निर्माण कार्य की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी विहिप के जिला मंत्री राजू गोस्वामी को दी। सूचना मिलने पर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर परिसर में कथित रूप से मजार/दरगाह निर्माण कार्य और कुछ लोगों के रहने का आरोप लगाया। इसके बाद विहिप, बजरंग दल और स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर में प्रदर्शन किया। जिला मंत्री राजू गोस्वामी ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कराई जाए तथा यदि निर्माण अवैध पाया जाता है तो उसे हटाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही परिसर में रह रहे लोगों की वैधानिक स्थिति की भी जांच करने की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान संगठन पदाधिकारियों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि समय रहते उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे व्यापक आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में विजय कन्नौजिया, नरेश भगवैया, जगदीश सिंह चौहान, बृजेश उपाध्याय, राकेश बघेल सहित संगठन के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर उच्च शैक्षणिक संस्थानों में हुईं कार्यशाला

सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली से मानसिक तनाव दूर होगा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय की नेशनल टास्क फोर्स द्वारा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी (सीआईएफ) में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राजकुमार आचार्य ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त बनने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा विश्वविद्यालय जीवन में अनुशासित दिनचर्या अपनाने का संदेश दिया। मुख्य वक्ता एवं मनोवैज्ञानिक नवनीत पचौरी ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य केवल तनावमुक्त रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक मनोभाव और संतुलित व्यवहार का आधार है। उन्होंने विशेष रूप से नियमित दिनचर्या, पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण नींद तथा सकारात्मक मनोभाव के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि अनियमित दिनचर्या, देर रात तक जागना तथा नकारात्मक विचार विद्यार्थियों की एकाग्रता, शैक्षणिक प्रदर्शन और समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, संवाद कौशल तथा आवश्यकता पड़ने पर समय रहते परामर्श लेने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय नेशनल टास्क फोर्स की नोडल अधिकारी डॉ. साधना श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया।

छात्रों को तनावमुक्त जीवन के दिए सुझाव

मध्य भारत शिक्षा द्वारा संचालित माधव विधि महाविद्यालय में नेशनल टास्क फोर्स के निर्देशानुसार नवागत विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं रुचियों के विकास विषय पर एक प्रेरणादायक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करना और उन्हें संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नवनीत पचौरी ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए प्रकृति के साथ समय बिताना, नियमित व्यायाम करना, अपनी रुचियों को विकसित करना तथा मोबाइल फोन का सीमित उपयोग करना जरूरी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवन जीने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने, परिवार और मित्रों के साथ अधिक समय बिताने तथा प्राकृतिक वातावरण से जुड़ने की सलाह दी।

kalpriyanews72@gmail.com

रात के बचे हुए चावल और सूजी का उपयोग करके एक हेल्दी और स्वादिष्ट नाश्ता तैयार करें। यह राइस अप्पे रेसिपी बनाने में बेहद आसान है और कम तेल में पकने के कारण सेहत के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प है।

रात के बचे हुए चावल अब फेंकें नहीं बनाएं हेल्दी और टेस्टी नाश्ता, सब उंगलियां चाटते रह जाएंगे

अक्सर रात का खाना हर किसी के घर में बच ही जाता है। यदि आपके रात के चावल बच जाते हैं, तो अब आपको हमेशा की रह फ्राइड राइस बनाने की जरुरत नहीं है। लेफ्टओवर राइस अब आप यूनिक डिश बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप बचे हुए चावल और सूजी से सुबह का गजब का नाश्ता बना सकते हैं।

अप्पे न केवल खाने में टेस्टी लगते हैं बल्कि इन्हें बनाना भी काफी आसान होता है। कम तेल में अप्पे बन जाते हैं, जो कि हेल्थ के लिए अच्छे हैं। स्वाद के साथ-साथ सेहत भी बढ़िया रहेगी। आइए आपको आसान रेसिपी।

राइस अप्पे बनाने के लिए सामग्री

–रात के बचे हुए चावल : 1 कप

–सूजी : आधा कप –दही : आधा कप

–बारीक कटी सब्जियां : आधा कप (प्याज, गाजर, शिमला मिर्च या अपनी पसंद की कोई भी सब्जी)

–हरी मिर्च : 1–2

–हरा धनिया : 2 बड़े चम्मच

–अदरक का पेस्ट : आधा चम्मच

–बेकिंग सोडा : आधा चम्मच –नमक : स्वादानुसार –राई और जीरा : तड़के के लिए (आधा–आधा चम्मच)

–तेल : अप्पे मेकर को चिकना करने के लिए

लेफ्टओवर राइस से बनाए टेस्टी अप्पे

– इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप एक मिक्सी के जार में रात के बचे हुए चावल, सूजी, दही और थोड़ा–सा पानी डालकर अच्छे से पीस लें। इस बात का ध्यान रखें कि पेस्ट बहुत ज्यादा पतला नहीं होना चाहिए, इसकी थिकनेस इडली के बैटर जैसी होनी चाहिए।

– फिर इस तैयार किए बैटर को एक बड़े बाउल में निकाल लें। इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, गाजर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, हरा धनिया और अदरक का पेस्ट डाल दें। इसके साथ ही स्वादानुसार नमक डाल और सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें। फिर बैटर 10–15 मिनट के लिए ढककर रख दें, जिससे सूजी अच्छे से फूल जाए।

– अब एक छोटे पैन में थोड़ा–सा तेल गर्म करें। फिर इसमें राई और जीरा चटकाएं और आप चाहे तो करी पत्ते भी डाल सकते हैं। अब इस तड़के को बैटर में मिला लें। यह आपके अप्पे का स्वाद बढ़ा देगा।

– जब आप अप्पे बनाएं, तो उसी समय बैटर में एक चुटकी बेकिंग सोडा डाल सकते हैं। अब इसके ऊपर हल्का–सा पानी डालकर इसे एक ही दिशा में हल्के हाथों से मिला लें। जिससे बैटर फूल जाएगा।

– इसके बाद गैस पर अप्पे मेकर रखें और उसके हर सांचे में एक–एक बूंद तेल डालकर उसको चिकना कर लीजिए। जिसके बाद हर सांचे में एक–एक चम्मच तैयार बैटर डालें। गैस की आंच धीमी या मीडियम रखें और इसे ढककर 3–4 मिनट तक पकने दें।

– गोल्डन ब्राउन होने के बाद, इन्हें चम्मच की मदद से सावधानी से पलट दें। दूसरी ओर से बिना ढके 2–3 मिनट तक क्रिस्पी होने तक सेंक लें।

– अब आपके तैयार हुए गरमागरम अप्पे तैयार है। यह बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट अप्पे। इसको आप पसंदीदा नारियल की चटनी के साथ या फिर हरी चटनी के साथ भी परोस सकते हैं।

खीर, हलवा और लड्डू में चीनी घटाएं, स्वाद नहीं–जानिए ये स्मार्ट किचन ट्रिक्स

चीनी कम करने के लिए एकदम से उसकी मात्रा आधी ना करें। इससे टेस्ट में एकदम से बड़ा बदलाव आ जाता है। इसलिए, चीनी की मात्रा धीरे–धीरे कम करने की कोशिश करें। पहले 10–15 प्रतिशत तक चीनी कम करें। इस तरह धीरे–धीरे चीनी कम करने से आपके टेस्ट बड उस हिसाब से एडजस्ट हो जाएंगे और आपको अंतर महसूस भी नहीं होगा।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना बहुत पसंद है। गुलाब जामुन से लेकर खीर, हलवा, लड्डू या फिर बर्फी का नाम सुनकर मुंह में पानी आ जाता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा कई तरह की समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। इसलिए, लोग अक्सर चीनी कम करने की कोशिश करते हैं।

लेकिन मिठाइयों में चीनी कम करने से उनका स्वाद फीका लगने लगता है। लेकिन अगर आप स्वाद से समझौता किए बिना चीनी कम करना चाहते हैं तो ऐसे में कुछ आसान स्मार्ट किचन ट्रिक्स आजमाएं जा सकते हैं।

धीरे–धीरे कम करें चीनी

चीनी कम करने के लिए एकदम से उसकी मात्रा आधी ना करें। इससे टेस्ट में एकदम से बड़ा बदलाव आ जाता है। इसलिए, चीनी की मात्रा धीरे–धीरे कम करने की कोशिश करें। पहले 10–15 प्रतिशत तक चीनी कम करें। इस तरह धीरे–धीरे चीनी कम करने से आपके टेस्ट बड उस हिसाब से एडजस्ट हो जाएंगे और आपको अंतर महसूस भी नहीं होगा।

प्राकृतिक मिठास का करें इस्तेमाल

जरूरी नहीं है कि मिठाई में हर बार चीनी का ही इस्तेमाल किया जाए, अगर आप चाहें तो प्राकृतिक मिठास जैसे खजूर, किशमिश, अंजीर, पका हुआ केला या सेब की प्यूरी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपको नेचुरल टेस्ट मिलेगा और वो भी काफी अच्छा व अलग लगेगा।

इलायची और केसर आएगा काम

मिठाई का सारा स्वाद चीनी में नहीं होता, जबकि असल में उसका स्वाद सुगंध की वजह से अच्छा लगता है। इसलिए, मिठाई बनाते समय इलायची, केसर, जायफल व दालचीनी आदि का इस्तेमाल करने पर चीनी कम इस्तेमाल करने पर भी आपको काफी अच्छा स्वाद महसूस होगा।

फ्रूट बेस्ड हों मिठाइयां

फलों में पहले से ही नेचुरल मिठास होती है, इसलिए अगर मिठाई बनाते समय फलों का इस्तेमाल किया जाए तो इससे भी टेस्ट काफी अच्छा हो जाता है। आप आम, चीकू, केला व खजूर आदि की मदद से मिठाई बनाकर चीनी काफी कम कर सकती हैं।

दूध को लंबे समय तक पकाएं

दूध को थोड़ा लंबे समय तक पकाने से भी उसमें मिठास बढ़ाई जा सकती है। जब दूध गाढ़ा होता है तो उसका स्वाद अधिक मीठा महसूस होता है। यह एक आसान टिप है, जिसकी मदद से अतिरिक्त चीनी को आसानी से कम किया जा सकता है।

कटहल के बीज बन सकते हैं सुपरफूड, जानें 7 जबरदस्त फायदे और खाने का सही तरीका

अकसर खाने के बाद कटहल के बीजों को फेंक दिया जाता है, जब कि इसके अनेकों हेल्थ बेनिफिट हैं।

कटहल खाने के बाद अक्सर इसके बीजों को बेकार समझकर फेंक दिया जाता है, लेकिन इनमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं।

इन बीजों में प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, विटामिन और जरूरी मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ठीक से काम करने में मदद करते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट का भी नेचुरल सोर्स हैं, जो सेल्स को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

'जर्नल ऑफ़ फ़ूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी' में छपी एक स्टडी में कटहल के बीजों की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता के बारे में बताया गया है। ये शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसे चाहे उबालकर खाएं, भूनकर खाएं या पीसकर आटा बना लें।

कटहल के बीज क्यों पौष्टिक होते हैं

कटहल के बीजों में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते है, जैसे प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, पोटैशियम, मैग्नीशियम और आयरन। ये पोषक तत्व एनर्जी बनाने, मांसपेशियों को मजबूत करने और मेटाबॉलिज़्म को ठीक रखने में मदद करते हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स और प्लांट कंपाउंड्स इन्हें संतुलित डाइट के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

पाचन को बेहतर बनाता है

कटहल के बीजों में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन को बेहतर बनाने और पेट साफ रखने में मदद करती है। फाइबर एक प्रीबायोटिक के तौर पर भी काम करता है, जो पेट में अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। इनके नियमित सेवन से पाचन संबंधी परेशानी कम हो सकती है और कब्ज़ से बचाव हो सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

कटहल के बीजों में फ्लेवोनोइड्स और फेनोलिक कंपाउंड्स जैसे प्राकृतिक प्लांट कंपाउंड्स होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये तत्व हानिकारक फ्री रेडिकल्स को बेअसर करने, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने और शरीर की नेचुरल इम्यून सिस्टम को मज़बूत करने में मदद करते हैं। एंटीऑक्सीडेंट कुछ पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने में भी मदद करते हैं।

दिल की सेहत में सुधार

कटहल के बीजों में पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को सही बनाए रखने में कारगर है, जबकि फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। ये पोषक तत्व मिलकर दिल की सेहत को बेहतर बनाते हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट रक्त वाहिकाओं की सुरक्षा और रक्त संचार को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकते हैं।

वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है

प्रोटीन और फाइबर का कॉम्बिनेशन खाने के बाद पेट को भरा हुआ महसूस कराते हैं। इससे बेवजह स्नैकिंग और ज्यादा खाने की आदत कम हो सकती है। इसी कारण कटहल के बीज उन लोगों के लिए एक उपयोगी भोजन विकल्प बन जाते हैं।

एंटी-कैंसर गुण हो सकते हैं

कई अध्ययनों से पता चलता है कि कटहल के बीजों में मौजूद कुछ बायोएक्टिव कंपाउंड्स असामान्य कोशिकाओं के विकास को धीमा करने में मदद कर सकते हैं। ये बीज एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोकेमिकल्स प्रदान करते हैं जो कोशिकाओं की सेहत को बेहतर बनाते हैं।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

कटहल के बीज में आयरन और जिंक सहित कई विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को संक्रमण से बचाने और स्वास्थ्य बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

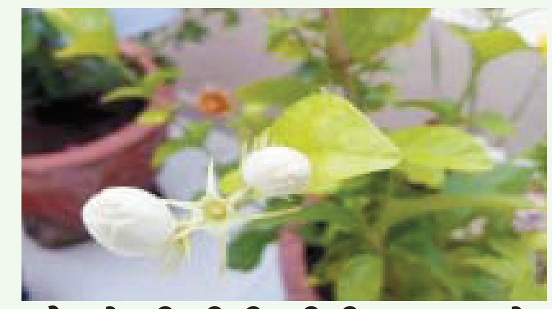

मोगरे की भीनी-भीनी खुशबू पूरे घर और छत को महका देती है

मोगरे के फूलों की महक हर किसी को पसंद होती है। मोगरे की भीनी–भीनी खुशबू पूरे घर और छत को महका देती है। लेकिन गर्मियों में अक्सर लोग नर्सरी से मोगरे का पौधा लाते हैं। वहीं कुछ समय बाद इनमें से फूल आना बंद हो जाते हैं या फिर इसकी कलियां गिर जाती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गार्डनिंग के टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। इस टिप्स की मदद से छत पर मोगरा का पौधा उगाने से लेकर इसमें ढेरों फूल पाने का बेहद आसान तरीका है।

पौधा लाने के बाद न करें ये गलतियां

नया पौधा लाने के फौरन बाद इसको शिफ्ट न करें। इसको अपनी छत पर पहले से मौजूद बाकी पौधों के बीच 2 से 3 दिनों के लिए रख दें। इससे पौधा आपकी छत के वातावरण और हवा पानी के साथ अच्छे से तालमेल बिठा लेता है।

मोगरे के पौधे के लिए ऐसा गमला तैयार करें

इस पौधे में ज्यादा से ज्यादा फूल लेने के लिए उसको सही तरीके से और सही न्यूट्रिशन के साथ बड़े गमले में शिफ्ट करना जरूरी है। सबसे पहले गमले के नीचे बने छेद को किसी दीये के टुकड़े या फिर किसी अन्य चीज से ढक दें। अब गमले की तली में सबसे पहले अपनी किचन का सूखा या फिर गीला कचरा जैसे फलों या सब्जियों के छिलके डालें। इसके ऊपर अच्छी उपजाऊ मिट्टी डालकर पौधे को लगा दें। नीचे सब्जियों या फलों का जो वेस्ट है, वह धीरे–धीरे सड़कर ऑर्गेनिक खाद में बदल जाता है। जिससे मोगरे की जड़ों को लगातार जरूरी पोषण मिलता रहता है।

कितने घंटे की धूप है जरूरी

यह पौधा मूल रूप से गर्मियों और धूप को पसंद करने वाला है। इस पौधे को जितनी अच्छी धूप मिलेगी, इसकी ग्रोथ उतनी ही अच्छी होगी। अपनी छत पर मोगरे के गमले को ऐसी जगह पर रखें, जहां उसको रोजाना कम से कम 5 से 6 घंटे की सीधी और अच्छी धूप मिले।

इस पौधे में कैसे दें पानी

पौधे में जरूरत से ज्यादा पानी डालने से इसकी जड़ें सड़ा देता है। खासकर मोगरे के मामले में। इस पौधे में पानी तभी डालना चाहिए, जब गमले की ऊपरी मिट्टी पूरी तरह से सूखी हुई दिखाई दे, तो उंगली से मिट्टी को छूकर नमी को चेक करें और तभी इसको पानी दें।

मोगरा पौधे की पिंचिंग

अगर मोगरे का पौधा सिर्फ एक लंबी डंडी की तरह बढ़ता जा रहा है, तो इसमें फूलों की संख्या कम होगी। अधिक फूल पाने के लिए पौधे का झाड़ीदार होना जरूरी है। इसके लिए समय–समय पर पौधे की नई टहनियों के ऊपरी हिस्से को उंगलियों की सहायता से तोड़ते रहें।

खाने में तीखापन हो जाए ज्यादा तो आजमाएं ये स्मार्ट किचन ट्रिक्स

अगर खाने में काली मिर्च तेज हो जाए तो ऐसे में आप खाने में खट्टापन बढ़ाइए। याद रखें कि काली मिर्च का तीखापन लाल मिर्च से अलग होता है। इसलिए, इसे कम करने के लिए आप टमाटर प्यूरी, थोड़ा नींबू या थोड़ा दही मिक्स करें। कभी भी इस तरह की सब्जी में चीनी डालने से बचें, क्योंकि इससे स्वाद और अजीब हो सकता है। कभी–कभी खाना बनाते समय कुछ गड़बड़ हो जाती है और खाने में तीखापन ज्यादा हो जाता है। जब खाने में मसाला ज्यादा होता है तो फिर उसे कोई भी नहीं खाना चाहता। अक्सर ऐसे में खाना यूं ही बेकार हो जाता है। इतना ही नहीं, कई बार तीखापन कम करने के लिए तुरंत दही, चीनी या पानी डाल देते हैं। इससे तीखापन कम हो या ना हो, लेकिन कई बार इससे स्वाद और भी बिगड़ जाता है। इसलिए, यह जरूरी है कि आप पहले यह समझें कि खाने में वास्तव में कौन–सा मसाला ज्यादा हुआ है? जब आप यह समझ जाएंगे तो आसानी से अपने खाने को बर्बाद होने से बचा पाएंगे।

अगर खाने में लाल मिर्च हो जाए तेज

अगर खाने में लाल मिर्च ज्यादा हो गई है, तो ऐसे में सब्जी में फैट बढ़ाइए। ऐसे में पानी डालने की गलती ना करें, क्योंकि लाल मिर्च की तीखापन देने वाला तत्व कैप्साइसिन पानी में नहीं घुलता। ऐसे में बेहतर होगा कि आप ताजी मलाई, दही, मक्खन, घी या नारियल का दूध डालकर मिक्स करें।

अगर खाने में गरम मसाला हो जाए तेज

अगर खाने में गरम मसाला तेज होने की वजह से तीखापन महसूस हो रहा है तो ऐसे में आप तीखापन कम करने के लिए चीनी डालने से बचें। तीखापन कम करने के लिए आप उसी सब्जी का बिना मसाले वाला बेस तैयार करें। इससे मसाले की मात्रा अपने आप बैलेंस हो जाएगी।

अगर खाने में काली मिर्च हो जाए तेज

अगर खाने में काली मिर्च तेज हो जाए तो ऐसे में आप खाने में खट्टापन बढ़ाइए। याद रखें कि काली मिर्च का तीखापन लाल मिर्च से अलग होता है। इसलिए, इसे कम करने के लिए आप टमाटर प्यूरी, थोड़ा नींबू या थोड़ा दही मिक्स करें। कभी भी इस तरह की सब्जी में चीनी डालने से बचें, क्योंकि इससे स्वाद और अजीब हो सकता है। फलऔर सब्ज़ियां

अगर सूखी सब्जी में मसाला ज्यादा हो जाए

इस तरह की सब्जी को बैलेंस करना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि उसमें ग्रेवी नहीं होती। सूखी सब्जी में मसाला ज्यादा होने पर आप उबले आलू, उबली फूलगोभी, उबली मटर या पनीर मिक्स कर सकते हैं।

नॉर्वे ने 2-1 से हराया, पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, इंग्लैंड भी जीता

फुटबॉल विश्वकप से ब्राजील बाहर, नेमार ने लिया संन्यास

नॉर्वे की ओर से एरलिंग हॉलैंड ने दोनों गोल दागे।

एजेंसी, ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)

5 बार का चैंपियन ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है। नॉर्वे ने सोमवार को प्री क्वार्टर फाइल में ब्राजील को 2-1 से हराया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इंग्लिश टीम ने प्री क्वार्टर फाइनल में मेजबान मैक्सिको को 3-2 से हराया। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने इस हार के बाद संन्यास ले लिया है। उन्होंने अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की ओर से एकमात्र गोल किया। नॉर्वे की ओर से एरलिंग हॉलैंड ने दोनों गोल दागे। 34 साल नेमार ने कहा, 'मैंने पूरी कोशिश की। मेरा सफर यहीं से शुरू हुआ था और अब यहीं खत्म हो गया। ब्राजील के लिए मेरा अध्याय अब समाप्त हो चुका है।' उन्होंने 2010 में इसी मैदान (तत्कालीन मेटलाइफ स्टेडियम) पर अमेरिका के खिलाफ ब्राजील के लिए डेब्यू किया था।

पेनल्टी पर गोल नहीं कर सका ब्राजील

ब्राजील के पास पहले हाफ में 15वें मिनट के करीब बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला। वीएआर रिव्यू के बाद टीम को पेनल्टी मिली, लेकिन ब्रूनो गुइमारेस का शॉट नॉर्वे के अनुभवी गोलकीपर ऑर्जन नीलैंड ने डाइव लगाकर रोक दिया। नीलैंड ने इसके बाद भी गेब्रियल मार्टिनेली और विनीसियस जूनियर के प्रयास नाकाम किए और पहले हाफ में स्कोर 0-0 बनाए रखा।

हॉलैंड ने 72वें मिनट में पहला गोल किया

दूसरे हाफ में ब्राजील के युवा स्ट्राइकर एंड्रिक ने आसान मौका गंवाया। इसके बाद नॉर्वे ने जवाबी हमला बोला। 72वें मिनट में एंड्रियास शेल्डरप ने बाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर एरलिंग हॉलैंड ने जोरदार हेडर लगाकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई।

हार से दुखी नेमार अपने आंसू नहीं छुपा पाए

नेमार का अंतर्राष्ट्रीय कॅरियर समाप्त

लगातार चोटों से जूझ रहे नेमार इस वर्ल्ड कप में सिर्फ दो मैच खेल सके। नॉर्वे के खिलाफ वे दूसरे हाफ में उतरे और पेनल्टी पर गोल किया। ब्राजील के कप्तान मार्किन्योस ने कहा, 'अब नई पीढ़ी के खिलाड़ियों का समय है। हमें उम्मीद है कि ब्राजील के फैंस उन्हें धैर्य और पूरा समर्थन देंगे।'

4 वर्ल्ड कप में गोल करने की पेले की बराबरी की

नेमार ने 130 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। ब्राजील के लिए उनसे ज्यादा मैच सिर्फ काफू (142) ने खेले। अपने अंतिम मैच में गोल कर नेमार ने दिग्गज पेले के एक रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। दोनों खिलाड़ियों ने 4-4 फीफा वर्ल्ड कप में गोल किए हैं। नेमार अंतरराष्ट्रीय गोल करने के मामले में पेले से तीन गोल आगे हैं। पेले के नाम 77 गोल हैं। कि नेमान के नाम 80 गोल हैं।

हॉलैंड दूसरा गोल कर मेसी की बराबरी पर आए

इंजरी टाइम से ठीक पहले हॉलैंड ने दूसरा गोल करते हुए डिफेंडर डेनिलो के पैरों के बीच से गेंद निकालकर गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका छठा और सातवां गोल रहा। इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी और किलियन एमबाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए।

नेमार का गोल भी नहीं बचा सका ब्राजील

इंजरी टाइम के 10वें मिनट में नेमार ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-1 जरूर किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह गोल सिर्फ हार का अंतर कम कर सका। ब्राजील 1990 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप से इतने शुरुआती चरण में बाहर हुआ।

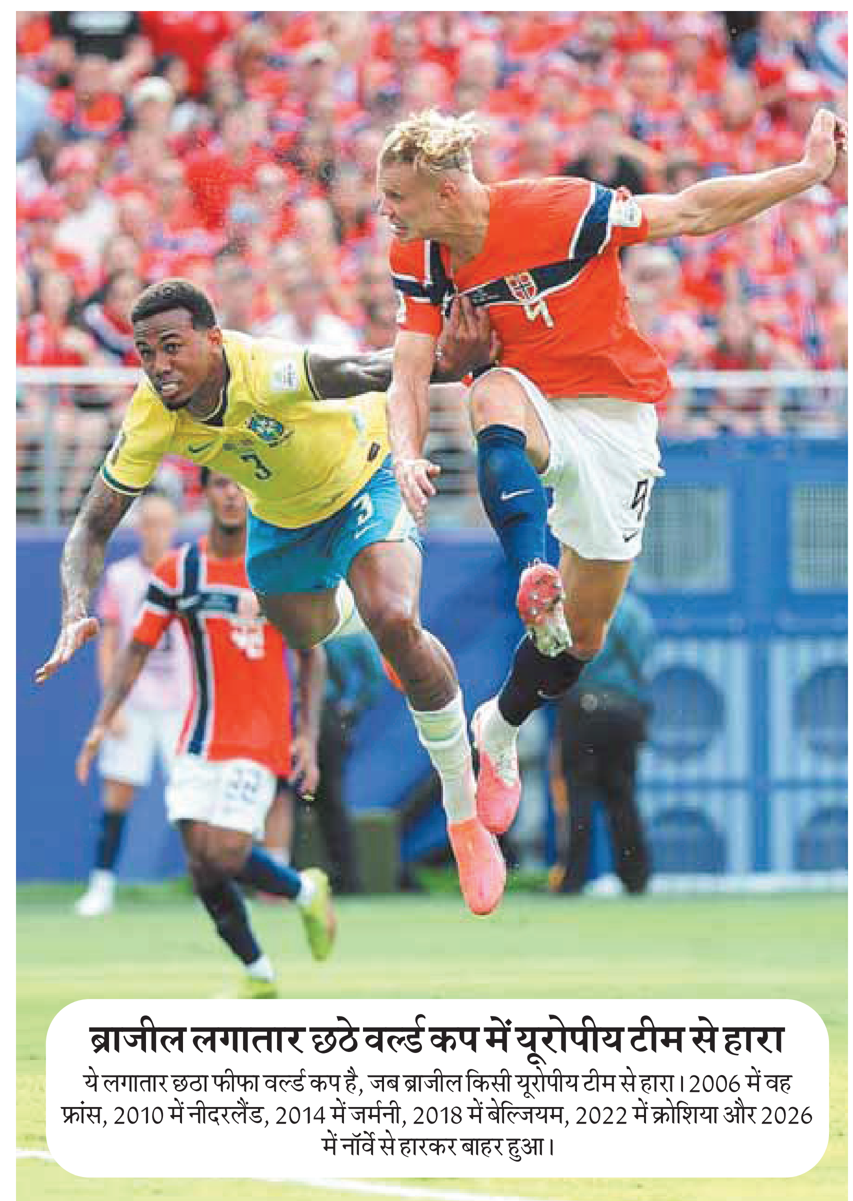

ब्राजील लगातार छठे वर्ल्ड कप में यूरोपीय टीम से हारा

ये लगातार छठा फीफा वर्ल्ड कप है, जब ब्राजील किसी यूरोपीय टीम से हारा। 2006 में वह फ्रांस, 2010 में नीदरलैंड, 2014 में जर्मनी, 2018 में बेल्जियम, 2022 में क्रोशिया और 2026 में नॉर्वे से हारकर बाहर हुआ।

इंग्लैंड लगातार तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी बार क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। दूसरे हाफ में जरेल क्वांसा के रेड कार्ड के बाद इंग्लैंड ने करीब 35 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला, लेकिन बढ़त बरकरार रखी। जूड बेलिंगहैम ने 36वें और 38वें मिनट में लगातार दो गोल कर इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम से पहले जूलियन क्विनोनेस ने मेक्सिको के लिए एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। 54वें मिनट में क्वांसा को रेड कार्ड मिला। इसके बावजूद 60वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 3-1 कर दी। 69वें मिनट में राउल जिमेनेज ने पेनल्टी पर गोल कर अंतर 3-2 किया, लेकिन मेक्सिको बराबरी नहीं कर सका। क्वांसा वर्ल्ड कप में रेड कार्ड पाने वाले इंग्लैंड के चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले 1986 में रे विल्किंस, 1998 में डेविड बेकहम और 2006 में वेन रूनी को वर्ल्ड कप में रेड कार्ड मिला था। 2006 के बाद यह पहला मौका है जब किसी इंग्लैंड खिलाड़ी को टूर्नामेंट में बाहर भेजा गया। वहीं, मैक्सिको 1986 के बाद आठवीं बार प्री-क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया।

विंबलडन: ओसाका ने पहली बार क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लंदन। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए महिला एकल की विश्व नंबर एक और शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस बहुचर्चित मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के नाम कुल आठ ग्रैंड स्लैम खिताब होने के कारण मुकाबले से काफी रोमांच की उम्मीद थी। हालांकि 14वीं वरीय ओसाका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और सबालेंका को वापसी का मौका नहीं दिया। पहले सेट में सबालेंका का दमदार खेल पूरी तरह बिखरा नजर आया। उनके लगातार गलत शॉट्स के कारण वह महज 32 मिनट में पहला सेट 2-6 से हार गईं। इस दौरान वह कई बार निराशा में कोर्ट पर चीखती हुई भी दिखाई दीं।

लगातार तीसरी सीरीज में चुने गए, रिंकू सिंह और मयंक यादव की वापसी

सैमसन जिम्बाब्वे टी20 सीरीज से बाहर, सूर्यवंशी को फिर मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे में 23 से 26 जुलाई तक होने वाली टी-20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है। बोर्ड ने उनको बाहर करने की कोई वजह भी नहीं बताई है। वहीं, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को लगातार तीसरी सीरीज के लिए टीम में रखा गया है। इंग्लैंड-आयरलैंड की टी-20 टीम की तुलना में भारत ने 6 बदलाव किए हैं। रिंकू सिंह और मयंक यादव की वापसी हुई है। प्रभसिमरन सिंह, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और हर्ष दुबे को पहली बार टी-20 टीम में चुना गया है।

संजू सैमसन 3 पारियों में 6 रन ही बना सके

बीसीसीआई ने यह नहीं बताया कि संजू को बाहर किया गया है या आराम दिया गया है। सैमसन ने हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन पारियों में 5, 0 और 1 रन बनाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में भी उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर कर वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका दिया गया था।

वैभव सूर्यवंशी को लगातार दूसरा मौका : भारत के सबसे युवा इंटरनेशनल क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी टीम में रखा गया है। 15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करने वाले वैभव ने अपने पहले मैच में 10 गेंदों पर 14 रन बनाए थे। इसमें दो छक्के शामिल थे।

इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए अपडेटेड भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराए और शिवम दुबे।

अस्मिता लीग साउथ ज़ोन कैनोइंग एवं कयाकिंग चैंपियनशिप

मप्र ओवरऑल चैंपियन, 38 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य कैनोइंग एवं कयाकिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने 4 से 5 जुलाई 2026 तक आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित गंबरमगेड्डा रिजर्वायर में आयोजित अस्मिता लीग साउथ ज़ोन कैनोइंग एवं कयाकिंग चैंपियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को ओवरऑल चैंपियन बना दिया। मध्यप्रदेश ने कुल 38 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। प्रदेश के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 16 स्वर्ण, 17 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। लगातार बेहतर तकनीक, अनुशासन और कड़े प्रशिक्षण का परिणाम रहा कि मध्यप्रदेश ने अन्य राज्यों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान अपने नाम किया। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश राज्य कैनोइंग एवं कयाकिंग अकादमी में उपलब्ध उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत को दर्शाती है। खिलाड़ियों ने हर स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की खेल प्रतिभा का परिचय दिया।

दिव्यांग क्रिकेट को नई दिशा

मप्र में संभागीय कप्तानों के लिए जागरूकता कार्यशाला

खेल संवाददाता, सतना

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन, मध्यप्रदेश द्वारा रविवार को सतना में प्रदेश के 10 संभागों के कप्तानों के लिए विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य संभागीय कप्तानों को दिव्यांग क्रिकेट के नियमों, संगठनात्मक ढांचे और खेल विकास योजनाओं की जानकारी देना तथा प्रदेश में दिव्यांग क्रिकेट को अधिक संगठित और मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में विभिन्न संभागों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में खेल विकास एवं संवर्धन प्रदेश प्रमुख रुपेश जैन ने एसोसिएशन के उद्देश्यों और दिव्यांग क्रिकेट के भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी संभागों से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ने, नियमित प्रशिक्षण शिविर और ट्रायल आयोजित करने तथा स्थानीय स्तर पर खेल सुविधाएं विकसित करने का आह्वान किया।

जिम्बाब्वे ने 141 रन डिफेंड कर बांग्लादेश को हराया

हरारे। जिम्बाब्वे ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 25 रन से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को खेले गए मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36.4 ओवर में 141 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 33.1 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने 21 रन देकर 6 विकेट लिए। यह वनडे क्रिकेट में किसी भी बांग्लादेशी गेंदबाज का बेस्ट प्रदर्शन है, लेकिन उनकी यह प्रदर्शन भी टीम को जीत नहीं दिला सका। जिम्बाब्वे की जीत के हीरो न्यूमैन न्यामहुरी रहे। उन्होंने 33 रन बनाने के अलावा 2 विकेट और 2 शानदार कैच भी लिए। कप्तान रिचर्ड नगारावा ने 27 रन और 3 विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

मलेशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी मध्यप्रदेश की गौरांशी शर्मा

एशिया पैसिफिक डेफ बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य बैडमिंटन अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी गौरांशी शर्मा का चयन मलेशिया में आयोजित होने वाली एशिया पैसिफिक डेफ बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। ग्वालियर बैडमिंटन अकादमी की गौरांशी इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनके चयन से प्रदेश के खेल जगत में खुशी की लहर है। गौरांशी शर्मा ने अपने अनुशासन, समर्पण और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में स्थान बनाया है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि मध्यप्रदेश के लिए भी गौरव का विषय है। मलेशिया में आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई देशों के श्रवण बाधित (डेफ) खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में भारत की ओर से खेलना गौरांशी के लिए बड़ी उपलब्धि है।

आकर्षक होंगी किताबें, कमियां ठीक कर रहे एक लाख शिक्षक

मुद्रण-चित्रण से लेकर स्याही का स्टैंडर्ड, अक्षर एवं फोंट और कवर पेज- बाइडिंग तक परखी जाएगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

स्कूल शिक्षा विभाग बच्चों के लिए प्रकाशित किताबों की गुणवत्ता में बेहतर सुधार करेगा। पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा जिन किताबों का प्रकाशन किया जा रहा है, अब उनकी कक्षा में ही क्वालिटी की परख होगी। बारीकी से कमियों को पकड़ा जाएगा। इसके लिए राज्य भर में एक लाख से अधिक टीचरों को लगाया गया है। पुस्तकों की गुणवत्ता परखने विभाग ने राज्य शिक्षा केंद्र को यह जिम्मा सौंपा है, जिसके लिए 12 बिंदु तैयार किए हैं। केंद्र ने पुस्तकों के अक्षर चित्रण से लेकर कवर की क्वालिटी तक कमियों को पकड़ने का काम शुरू किया है। मंत्रालय में विभाग के अधिकारियों की मानें तो पिछले वर्षों के दौरान समीक्षा में सामने आया कि पुस्तकों की प्रकाशन क्वालिटी में सुधार की जरूरत है। इस साल पुस्तकों में कितनी बेहतर गुणवत्ता है या क्या कमी है, इसको खोजा जा रहा है। इसके लिए राज्य भर में स्कूलों के 1 लाख 11 हजार शिक्षक लगाए गए हैं। इस परख में यह अवलोकन किया जा रहा है कि किताब के मुद्रण की क्या स्पष्टता है, प्रिंटिंग किस प्रकार की गई है।

एक पेज की छपाई दूसरे में तो नहीं दिख रही है। किताब की बाइंडिंग कैसी हुई है। कवर पेज की गुणवत्ता किस प्रकार रखी गई है। स्याही का स्टैंडर्ड कैसा है और फोंट किस प्रकार किताब में दर्शाये गए हैं। इसके अलावा किताब में चैप्टर के साथ चित्रों का प्रदर्शन कमजोर तो नहीं। पैकिंग, भाषा, बर्तनी और क्यूआर कोड की क्या क्वालिटी रखी गई है। इन बिंदुओं को भी शिक्षक बारीकी से पकड़ते हुए रिपोर्ट तैयार करेंगे।

- **पोर्टल 3.0 पर ही प्रेषित करेंगे रिपोर्ट :** किताबों की समीक्षा के बाद टीचर 3.0 पोर्टल पर रिपोर्ट विभाग को डालेंगे। इसके बाद रिपोर्ट पाठय पुस्तक निगम को भेजी जाएगी। अफसरों के अनुसार जो कमियां है, उनमें आने वाले सत्रों के दौरान छपने वाली किताबें में ठीक किया जाएगा।
- **पिछले सालों के अध्ययन के बाद शुरू किया काम :** जानकारी है कि पिछले वर्षों में पुस्तकों में क्वालिटी का अध्ययन करने के बाद इस बार विभाग ने यह कदम उठाया गया। अब कोशिश यह होगी कि पुस्तकों की क्वालिटी अच्छी हो और इन्हें पढ़ने के साथ-साथ देखने में भी बच्चों का आकर्षण बढ़ सके।

सवा करोड़ से अधिक बच्चों के लिए प्रकाशन

विभाग के अनुसार प्रदेश के करीब 1 लाख विद्यालयों में अध्ययनरत सवा करोड़ बच्चों के लिए पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। अफसरों का कहना है कि 50 फ़ीसदी से अधिक काम होने को है। इसके बाद यह पूरी रिपोर्ट पाठ पुस्तक निगम को भेजी जाएगी। ताकि आगे पुस्तकों की जो छपाई हो, उसमें शिक्षकों की रिपोर्ट और सुझावों के आधार पर सुधार कराया जा सके।

इनका कहना

विभाग के जो निर्देश है । उनके अनुसार पुस्तक प्रकाशन की गुणवत्ता को परखने के लिए काम शुरू किया गया। जो बिंदु दिए गए उन पर शिक्षक बखूबी यह काम कर रहे हैं। इसकी पूरी रिपोर्ट पुस्तक निगम को दी जाएगी। ताकि आगे और भी प्रकाशन की क्वालिटी बेहतर हो सके।

■ **अरुण सिंह,** एडिशनल डायरेक्टर, राज्य शिक्षा केंद्र,

नवनियुक्त इंजीनियरों को आधुनिक तकनीकों और पॉवर प्लांट निर्माण का मिला प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के नवनियुक्त 10 कनिष्ठ अभियंताओं (सिविल) का छह सप्ताह का विशेष तकनीकी प्रशिक्षण राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर में आयोजित किया गया। अभियंताओं को ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण, संधारण तथा आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग तकनीकों का गहन सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षु आईएएस अफसरों को डीजीपी की सलाह

किसी भी सूचना पर तुरंत विश्वास करने के बजाय सत्यापन करें

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश संवर्ग 2025 बैच के 8 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा से सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। वहीं सलाह दी कि किसी भी सूचना पर तुरंत विश्वास करने के बजाय पहले उसका सत्यापन करें और उसके बाद ही निर्णय लें। प्रशासनिक निर्णय हमेशा तथ्यों और निष्पक्षता पर आधारित होने चाहिए।

डीजीपी ने चयनित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल एक पद नहीं, बल्कि जनता की सेवा का दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों से ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नए आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा, साइबर फ्रॉड, नारकोटिक्स एवं नशा मुक्ति जैसे विषय प्रशासनिक अधिकारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बदलती चुनौतियों को देखते हुए अधिकारियों को निरंतर सीखते रहने और तकनीक का प्रभावी उपयोग करने की आवश्यकता है। डीजीपी ने अपने सेवाकाल के अनेक अनुभव साझा किए। उन्होंने मंदसौर की एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, संवाद और सही नेतृत्व से बड़ी से बड़ी भीड़ को भी शांतिपूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि डायल-100 से 112 आपातकालीन सेवा में परिवर्तन आसान नहीं था। लगभग छह से सात महीने के अथक प्रयासों, टीमवर्क और समर्पण से इस व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू किया गया।

मध्यप्रदेश संवर्ग के 8 प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

▶ दतिया उपचुनाव : कांग्रेस 10 जुलाई तक घोषित कर देगी अपना प्रत्याशी

सहानुभूति लहर पर सवार होने की तैयारी में कांग्रेस, भाजपा का विकास पर फोकस

दावेदारों में राजेंद्र भारती की पत्नी और बेटे का नाम सबसे ऊपर

भोपाल (नगर संवाददाता)

दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार से नामांकन भरने का सिलसिला शुरू हो गया है। कांग्रेस ने उपचुनाव के लिए संभावित दमदार प्रत्याशियों के नामों पर मंथन शुरू कर दिया है। पार्टी 10 जुलाई तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर देगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पार्टी उपचुनाव को सिर्फ राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि 'सहानुभूति बनाम सत्ता' की लड़ाई बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी वजह से पार्टी राजेंद्र भारती की पत्नी शोभा भारती और बेटे अंकित या अनुज भारती के नाम पर गंभीरता से विचार कर रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पार्टी ने दतिया के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से संभावित प्रत्याशियों को लेकर फीडबैक लिया है। इसमें सबसे अधिक समर्थन भारती परिवार को मिला है। पार्टी के भीतर यह आंकलन है कि राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के बाद क्षेत्र में उनके प्रति लोगों की सहानुभूति बढ़ी है। यदि इस भावनात्मक माहौल को चुनावी रणनीति में बदला जाता है, तो इसका सीधा लाभ कांग्रेस को मिल सकता है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि दतिया की जनता ने 2023 के विधानसभा चुनाव में जिस भरोसे के साथ राजेंद्र भारती को विधायक चुना था, उनके पद से हटने के बाद उस फैसले के प्रति लोगों के मन में भावनात्मक जुड़ाव बना हुआ है। पार्टी इसी भावना को चुनाव में मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है। पार्टी राजेंद्र भारती की पत्नी शोभा भारती या बेटे अंकित या अनुज भारती को मैदान में उतारकर सहानुभूति का फायदा उठा सकती है। सेवढ़ा से पूर्व विधायक घनश्याम सिंह का नाम भी प्रमुख दावेदारों में शामिल है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे दतिया से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। उनकी प्राथमिकता अगले विधानसभा चुनाव में सेवढ़ा सीट से वापसी करना है। ऐसे में उनका नाम फिलहाल चर्चा में जरूर है, लेकिन संभावना कम मानी जा रही है।

इसके अलावा भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए और पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व उपाध्यक्ष अवधेश नायक के नाम पर भी पार्टी विचार कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले का कहना है कि दतिया सीट पर प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। एक-दो दिन में प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

राजेंद्र भारती की सजा के बाद बना उपचुनाव का रास्ता

दतिया में उपचुनाव की नौबत राजेंद्र भारती को मिली सजा के बाद बनी। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने तत्कालीन गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को हराकर जीत दर्ज की थी, लेकिन गत 2 अप्रैल को नई दिल्ली की विशेष जिला अदालत ने एक मामले में उन्हें तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता समाप्त करते हुए सीट रिक्त घोषित कर दी और चुनाव आयोग को इसकी सूचना भेजी। इसके बाद चुनाव आयोग ने दतिया सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर दी।

भाजपा ने नामों का पैनल दिल्ली भेजा

उपचुनाव को लेकर भाजपा ने भी प्रत्याशी चयन को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी है। रविवार को चौहत्तर बंगला क्षेत्र में राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल समेत वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। बैठक में दतिया उपचुनाव को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उन खामियों पर बात हुई जिसके चलते पिछली बार पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा था। इसके साथ बूथों के वर्गीकरण पर चर्चा हुई और कमजोर बूथों पर पर किस तरह से इस बार ज्यादा फोकस करेंगे इस पर विचार किया गया। विकास कार्यों के बल पर ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र में कैसे हर बूथ पर विजय मिले इस पर भी बात की गई। गौरतलब है कि पिछली बार भाजपा ने यह सीट सात हजार मतों से गंवा दी थी जबकि पिछली तीन चुनावों से नरोत्तम मिश्रा यहां से लगातार विजय हासिल कर रहे थे। बैठक में उन नेताओं के नामों पर विचार किया गया जिन्हें दतिया भेजा जाना है। पार्टी जल्द ही आधा दर्जन से अधिक नेताओं को दतिया भेजेगी जो चुनाव तक वहां रहकर काम करेंगे। दतिया से पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को टिकट मिलना हालांकि तय माना जा रहा है पर पार्टी ने अपनी तरफ से नामों का पैनल बनाकर दिल्ली भेज दिया है। भाजपा अपने प्रत्याशी के नाम का ऐलान जल्द कर देगी। हालांकि अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि संगठन ने नरोत्तम मिश्रा को सक्रिय होने का इशारा कर दिया है और वे पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतर गए हैं।

देवड़ा ने कार्यकर्ताओं से संवाद कर सुनीं समस्याएं, किया निराकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। देवड़ा ने उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन जनसमस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी जनसमस्याओं को समझा और उन्हें शीघ्र समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू

राजधानी समेत निजी स्कूलों में आरटीई की 30 प्रतिशत सीटें रह गईं रिक्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून आरटीआई अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के निजी स्कूलों में लगभग 8 हजार स्कूलों की 21 हजार (30 फीसदी) सीटें रिक्त रह गई है। इन शालाओं में रिक्त सीटों को भरने तीसरे चरण में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया राज्य शिक्षा केंद्र ने शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। आरएसके के अधिकारी अमिताभ अनुरागी के अनुसार प्रदेश में आरटीई अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया तहत एक लाख छह हजार सीटें भर गईं थीं। लेकिन बच्चों के न आने से लगभग 50 हजार सीटें रिक्त रह गईं हैं। जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, पोर्टल पर स्कूलों का नाम सोमवार को प्रदर्शित कर दिया गया है।

नहीं होगा कोई नया पंजीयन

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। ऐसे आवेदक, जिन्होंने पूर्व चरणों में आवेदन किया था और सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ, वे तृतीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, वे आवेदक, जिन्हें पूर्व चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था, लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, वे भी इस प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के विद्यालय चुन सकते हैं।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 1.15 लाख शिक्षकों के खाली हैं पद

10 हजार स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं नहीं

- **अधिवक्ता जैन की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया सरकार को नोटिस**

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में स्वीकृ 2.89 लाख में से 1.15 लाख शिक्षकों की भारी कमी है। यही नहीं, 10 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसे लेकर दायर जनहित याचिका पर मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच ने राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस देकर 17 अगस्त तक जवाब मांगा है। याचिकाककर्ता अधिवक्ता बीएल. जैन सेंधवा ने बताया कि कोर्ट ने इसे बच्चों के शिक्षा के अधिकार का सीधा उल्लंघन मानते हुए केंद्र और राज्य सरकार दोनों को नोटिस जारी कर 17 अगस्त तक जवाब तलब किया है। जैन ने बताया कि उनके द्वारा दायर याचिका में मध्यप्रदेश की बदहाल स्कूली शिक्षा का जानकारी माननीय न्यायालय को दी है। इसमें बताया गया कि 40 फीसदी शिक्षकों के पद रिक्त है।

95 स्कूलों में नहीं हैं कम्प्यूटर

जैन ने बताया कि डिजिटल शिक्षा के तहत प्रदेश के 59 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कैग की 2025 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया कि सरकारी स्कूलों में पिछले 10 वर्ष में कक्षा एक से 12 वीं तक 22 लाख विद्यार्थी घट गए हैं। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा साफ दर्शाता है कि लचर व्यवस्था के कारण जनता का सरकारी स्कूलों से भरोसा उठ रहा है। उन्होंने बताया कि जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने इन तथ्यों को बेहद गंभीर माना है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए पूछा है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों पर सरकार समय से भर्ती क्यों नहीं कर पा रही है? अब सरकार को 17 अगस्त तक कोर्ट में अपना विस्तृत एक्शन प्लान और स्पष्टीकरण देना होगा।

समय-सीमा समीक्षा बैठक में की विभागवार की गई समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

- **टीएल बैठक में एडीएम सुमित पांडे ने जताई नाराजगी**

भोपाल (नगर संवाददाता)

जिले में सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई की शिकायतों के समय पर निराकरण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय-सीमा (टीएल) समीक्षा बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी (एडीएम) सुमित पांडे ने विभागवार समीक्षा के दौरान लंबित और अनटेंडेड शिकायतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एडीएम ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। केवल औपचारिक जवाब देकर शिकायतों का निराकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभागों को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों का जल्द समाधान कर शिकायतकर्ताओं को राहत दिलाई जाए।

बैठक में जनसुनवाई से प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कई मामलों में कार्रवाई लंबित रहने पर एडीएम ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ तय समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को एक ही समस्या के समाधान के लिए बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े।

आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए विभागों को विधानसभा प्रश्नों के सही और समय पर जवाब तैयार रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा कृषि विभाग को 'कृषक कल्याण वर्ष' के लक्ष्य पूरे करने, खनिज विभाग को अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने तथा स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य सेवाओं और अभियानों में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।साथ ही शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी केंद्रों के को-लोकेशन की प्रक्रिया तेज करने, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ने और साक्षरता अभियान में तेजी लाने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।

बिजली कंपनी : जिस ठेकेदार के नाम कार्य आदेश, वही करेगा काम

- **सीएमडी ऋषि गर्ग ने जारी किए निर्देश**

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने निर्णय लिया है कि जिस पैनलबद्ध ठेकेदार के नाम पर कार्य आदेश जारी हुआ है, वही संबंधित कार्य करेगा। किसी भी स्थिति में ये कार्य किसी अन्य ठेकेदार, एजेंसी या व्यक्ति को नहीं सौंपा जा सकेगा। कंपनी ने लाइन एवं सबस्टेशन से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने ये कदम उठाया है।

बता दें कि कंपनी के संज्ञान में आया था कि कुछ स्थानों पर कार्य आदेश एक ठेकेदार के नाम पर जारी हुआ है, लेकिन काम किसी अन्य व्यक्ति या ठेकेदार से कराया जा रहा था। इसे कंपनी ने नियमों का गंभीर उल्लंघन माना है। जारी निर्देशों के अनुसार संबंधित अधिकारी तय करेंगे कि कार्य केवल अधिकृत ठेकेदार ही करेगी। इसके लिए नियमित रूप से कार्यस्थलों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

बिना काटे बिजली पहुंचाने का कीर्तिमान

आंधी-तूफान, तेज बारिश, बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदा और अन्य अप्रत्याशित व्यवधानों जैसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने उल्लेखनीय कीर्तिमान हासिल किया है। इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि कंपनी की 593 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों ने पिछले चार वर्षों से बिना बाधा के निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शॉप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल तथा ए-95 कस्तूरबा नगर भोपाल मप्र से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा। फोन: 7898826680